RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 33 | जयपुर शनिवार, 01 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में संसद के मकर द्वार के सामने लगाए नारे

संसद में विपक्ष का अनोखा प्रदर्शन, पुजारी बने पप्पू यादव, राहुल गांधी ने चढ़ाया चढ़ावा

केंद्र सरकार और मंदिर प्रबंधन से मामले पर जवाबदेही तय करने की मांग

● नई दिल्ली

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित अनियमितताओं के आरोपों को लेकर शुक्रवार को संसद परिसर में विपक्ष ने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव पुजारी के वेश में संसद भवन के मकर द्वार के सामने दान पेटी लेकर बैठ गए। प्रदर्शन के जरिए विपक्ष ने केंद्र सरकार और मंदिर प्रबंधन से मामले पर जवाबदेही तय करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत कई विपक्षी सांसद दान पेटी में राशि डालने पहुंचे। इस दौरान पप्पू यादव ने प्रतीकात्मक विरोध के तौर पर दान पेटी में पैसे डालने के बजाय उन्हें अपनी जेब में रख लिया। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने चोर-चोर और चढ़ावा चोर के नारे लगाए। विपक्ष का आरोप है कि राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले की निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए और इस विषय पर संसद में चर्चा होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि भगवान श्रीराम की नगरी से जुड़ा यह मामला करोड़ों लोगों की आस्था से संबंधित है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को संसद में प्रमुखता से उठाया जाएगा और सरकार से जवाब मांगा जाएगा।

करोड़ों रामभक्तों की भावनाएं हुईं आहत

बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर हिंदू आस्था के अपमान का आरोप लगाते हुए निशाना साधा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दावा किया कि भगवान श्रीराम की तस्वीर के साथ किए गए व्यवहार से करोड़ों रामभक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं। मालवीय ने इसे हिंदू समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताते हुए राहुल गांधी और कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने सवाल उठाया कि भगवान श्रीराम को चढ़ावा अर्पित करते समय जूते पहनना क्या उचित है, जबकि हिंदू परंपरा में मंदिर में प्रवेश से पहले जूते-चप्पल उतारने की मान्यता है। बीजेपी नेता ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान एक तरफ भगवान श्रीराम की तस्वीर को हाथ में लेकर आस्था जताई गई, वहीं दूसरी ओर उसी तस्वीर को जमीन से स्पर्श कराया गया। उन्होंने कहा कि यह केवल एक तस्वीर नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की श्रद्धा और आस्था का प्रतीक है। अमित मालवीय ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताते हुए कहा कि इस तरह की घटना से हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है। उन्होंने कांग्रेस से तत्काल सार्वजनिक माफी की मांग की। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कई सवाल उठाए। मालवीय के बयान के बाद इस मुद्दे पर राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। हालांकि, कांग्रेस या राहुल गांधी की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

- संसद के बाहर प्रदर्शन को लेकर बीजेपी ने राहुल गांधी पर साधा निशाना
- कहा- भगवान श्रीराम की तस्वीर को जमीन से स्पर्श कराना निंदनीय

हंगामे के बीच जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक पास

नई दिल्ली, आरएनएन । संसद के मानसून सत्र में लोकसभा ने विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के बीच जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 को पारित कर दिया। गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने विधेयक को सदन में पेश किया, जिसे विपक्ष के भारी शोर-शराबे के बीच ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। विधेयक के लागू होने के बाद देश में जन्म और मृत्यु पंजीकरण व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। सरकार का उद्देश्य जन्म-मृत्यु से जुड़े रिकॉर्ड को डिजिटल, पारदर्शी और अधिक व्यवस्थित बनाना है, ताकि फर्जी दस्तावेजों और गलत रिकॉर्ड पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके। नए प्रावधानों के तहत जन्म प्रमाण पत्र को कई सरकारी सेवाओं और महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं के लिए प्रमुख दस्तावेज के रूप में मान्यता दी जाएगी। इसके साथ ही देशभर में जन्म और मृत्यु के रिकॉर्ड को एक केंद्रीय डिजिटल डेटाबेस से जोड़ा जाएगा। इससे किसी भी स्थान पर दर्ज जन्म या मृत्यु की जानकारी ऑनलाइन एकीकृत रूप से उपलब्ध हो सकेगी। विधेयक पारित होने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष के रवैये पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सांसदों को अपने क्षेत्रों और जनता से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए सदन में भेजा गया है, न कि हंगामा करने के लिए। रिजिजू ने विपक्ष पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष सदन में चर्चा में भाग नहीं लेता और बाद में आरोप लगाता है कि सरकार बिना चर्चा के विधेयक पारित कर देती है। उन्होंने कहा कि सांसदों को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया जाता है। संसदीय कार्य मंत्री ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि वे महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग लें और संसदीय कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि लगातार हंगामा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए उचित नहीं है।

- जन्म-मृत्यु से जुड़े फर्जी रिकॉर्ड पर लगेगी लगाम
- अब जन्म प्रमाण पत्र ही बनेगा सभी नागरिकों का मुख्य दस्तावेज

बद्रीनाथ चढ़ावा चोरी मामला

आरोपी के घर से मिले चांदी के सिक्के, गहने और कैश

● चमोली

बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के निलंबित पर्सनल असिस्टेंट प्रमोद नौटियाल ने बद्रीनाथ मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी मामले में अपनी भूमिका स्वीकार कर ली है। चमोली पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने चार दिन की पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी के ठिकानों पर तलाशी लेकर चांदी के सिक्के, आभूषण, चांदी की छोटी मूर्तियां, कछुए और नेपाली करेंसी समेत नकदी बरामद की है।

बद्रीनाथ थाने के एसएचओ महादेव उनियाल ने बताया कि बरामद सामान नौटियाल को बद्रीनाथ धाम में आवंटित आवास से मिला है। पुलिस ने बरामद वस्तुओं की जांच शुरू कर दी है कि इनका संबंध मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी से है या नहीं। पुलिस ने आरोपी की संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज भी जब्त किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। एसएचओ के अनुसार, पूछताछ में नौटियाल ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। हालांकि, उसने किसी अन्य व्यक्ति के शामिल होने की जानकारी नहीं दी है। रिमांड अवधि पूरी होने के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसआईटी ने जांच के दौरान नौटियाल को बीकेटीसी कार्यालय देहरादून, उसके घर और बद्रीनाथ स्थित आवास पर ले जाकर पूछताछ की। नौटियाल को 12 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। वह बद्रीनाथ मंदिर में वीआईपी प्रोटोकॉल व्यवस्था और दान की गिनती प्रक्रिया की निगरानी से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी संभाल रहा था।

सस्पेंड बीकेटीसी कर्मी प्रमोद नौटियाल ने पुलिस पूछताछ में कबूला अपराध

36 करोड़ के चढ़ावे की जांच तेज

जांच में सामने आया है कि 2 जुलाई तक बद्रीनाथ मंदिर के दानपात्रों की 34 बार गिनती की गई, जिसमें करीब 36 करोड़ रुपये की नकदी दर्ज हुई थी। शुरुआती चरण में लगभग 23 करोड़ रुपये की गणना पूरी की जा चुकी थी। एसआईटी अब 21 जून के बाद की सीसीटीवी फुटेज, दान गिनती प्रक्रिया और निगरानी व्यवस्था की जांच कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कड़ी निगरानी के बावजूद कथित हेराफेरी कैसे हुई। चढ़ावा प्रबंधन से जुड़े कई कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है। दफेदार, सीसीटीवी मॉनिटरिंग कर्मचारी, भंडार प्रभारी, वरिष्ठ सहायक और लेखा लिपिक समेत कई लोगों से पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच बीकेटीसी की आंतरिक समिति, पुलिस एसआईटी और उत्तराखंड सरकार की उच्चस्तरीय समिति अलग-अलग स्तर पर कर रही हैं।

उमराव रिटायर्ड, खाड़े को सौंपा पशुपालन का प्रभार

भोपाल, प्रसं। प्रमुख सचिव पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग उमाकांत उमराव शुक्रवार को रिटायर्ड हो गए। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल और अन्य अधिकारियों ने मंत्रालय में एक सादे समारोह में उन्हें भावभीनी विदाई दी। उमांकात उमराव एमपी कैडर के 1996 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। उमराव के रिटायर्ड होने के बाद राज्य शासन ने सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. सुदाम खाड़े को पशुपालन एवं डेयरी विकास विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया है। सामान्य प्रसासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

अब एक साल में पूरा होगा पोस्टग्रेजुएशन

नई दिल्ली, आरएनएन। उच्च शिक्षा हासिल करने वाले छात्रों के लिए राहत की खबर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने योग्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को ऑनलाइन तथा ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग माध्यम से एक वर्षीय पोस्टग्रेजुएट पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति दे दी है। यूजीसी के 28 जुलाई 2026 के सर्कुलर के अनुसार, यह सुविधा केवल उन संस्थानों को मिलेगी, जिन्हें पहले से संबंधित विषय में दो वर्षीय पीजी कार्यक्रम संचालित करने की मान्यता प्राप्त है। एक वर्षीय पीजी कोर्स में केवल चार वर्षीय स्नातक (बैचलर) डिग्री पूरी कर चुके छात्र ही प्रवेश ले सकेंगे। एमबीए, एमसीए और पीजीडीएम जैसे प्रोफेशनल कोर्सों के लिए संबंधित नियामक संस्थाओं की पात्रता शर्तें भी लागू होंगी। यूजीसी का मानना है कि इस व्यवस्था से नौकरी के साथ पढ़ाई करने वाले और नियमित कॉलेज नहीं जा पाने वाले छात्रों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा।

नीट यूजी पेपर लीक: प्रश्नपत्र बनाने वाले शिक्षकों की मिलीभगत से हुआ था खेल

● नई दिल्ली

सीबीआई जांच में खुलासा हुआ है कि नीट यूजी 2026 का प्रश्नपत्र लीक एनटीए के पैनल में शामिल तीन शिक्षकों की कथित मिलीभगत से हुआ। इन्हीं शिक्षकों को प्रश्नपत्र तैयार करने के साथ उसका मराठी अनुवाद भी सौंपा गया था, जिससे परीक्षा की गोपनीयता भंग हो गई।

जांच के मुताबिक, शिक्षकों ने प्रश्नों को याद कर पुणे स्थित अपने ट्यूशन सेंटर के छात्रों के लिए क्वेश्चन बैंक तैयार किया। बाद में यह सामग्री एक ब्यूटीशियन के जरिए दलालों तक पहुंची और लाखों रुपये लेकर कई राज्यों में अभ्यर्थियों को बेची गई। मामले का खुलासा एक छात्र की शिकायत के बाद हुआ, जिसके बाद एनटीए ने 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी। शिक्षा मंत्रालय के निर्देश पर सीबीआई ने जांच शुरू की और तीन शिक्षकों, ब्यूटीशियन, दलालों तथा कोचिंग संस्थान से जुड़े लोगों समेत 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर चार्जशीट दाखिल कर दी। सीबीआई ने मामले में कई बैंक खाते, लॉकर और डीमैट खाते भी फ्रीज किए हैं। एजेंसी ने एनटीए को भविष्य में प्रश्नपत्र निर्माण और अनुवाद की प्रक्रिया अलग-अलग टीमों से कराने की सिफारिश भी की है।

सीबीआई जांच में हुआ बड़ा खुलासा

दीपक का मंत्री पद बचाने देवेश ने दे दिया इस्तीफा

पटना, आरएनएन। बिहार में पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश का मंत्री पद बचाने के लिए भाजपा विधान पार्षद देवेश कुमार ने अपनी विधान परिषद सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे के बाद खाली होने वाली सीट पर दीपक प्रकाश को विधान परिषद भेजे जाने की संभावना है। दीपक प्रकाश हालिया विधान परिषद चुनाव में उम्मीदवार नहीं बनाए गए थे, जिससे उनके सामने संवैधानिक संकट खड़ा हो गया था। भाजपा नेतृत्व ने समाधान के तौर पर अपने कोटे की एक सीट खाली करने का फैसला किया। देवेश कुमार, जिनका कार्यकाल मार्च 2027 तक था, ने समय से पहले पद छोड़ दिया।

सौरभ बोले- भारत में लोग चलते-फिरते देते हैं गाली

नोएडा की युवती ने पीएम को दी थी गाली, एफआईआर दर्ज होने पर जताई आपत्ति

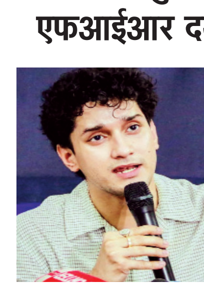

● नई दिल्ली

सीजेपी प्रवक्ता सौरभ दास ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाली नोएडा की युवती पर एफआईआर दर्ज होने पर आपत्ति जताई है।

उन्होंने कहा कि विरोध प्रदर्शन में अपशब्दों का इस्तेमाल गलत हो सकता है, लेकिन इसे आपराधिक मामला बनाकर पुलिस कार्रवाई करना उचित नहीं है। दास ने कहा कि यदि किसी टिप्पणी से प्रधानमंत्री को आपत्ति है, तो उनके पास मानहानि का मुकदमा दायर करने का कानूनी विकल्प है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाई से चयनात्मक तरीके से लोगों को निशाना बनाए जाने का संदेश जाता है। उन्होंने दिल्ली सरकार द्वारा सीजेपी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने के फैसले का स्वागत करते हुए इसे युवाओं की जीत बताया और सरकार से अन्य लंबित वादे भी जल्द पूरे करने की उम्मीद जताई।

आपबीती : पापा घर आए तो खून से लाल थी वर्दी

सीजेपी प्रदर्शन और संसद मार्च के दौरान घायल हुए पुलिसकर्मियों के परिजनों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में घटना की आपबीती साझा करते हुए हमले की निंदा की। परिजनों ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर गंभीर हमला किया गया। एक घायल पुलिसकर्मी के परिजन ने बताया कि ड्यूटी से लौटते समय उनकी खाकी वर्दी खून से सनी हुई थी और सिर व हाथों पर गंभीर चोटें थीं। एसीपी की पत्नी अवनीत कौर ने कहा कि घायल पति को देखकर पूरा परिवार सदमे में था।

बंगाल में जैश से जुड़ा संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

शुभेंदु अधिकारी की सुरक्षा और वीआईपी मूवमेंट से जुड़े दस्तावेज मिले

● बर्धमान

पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले में एसटीएफ और जिला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में जैश-ए-मुहम्मद से कथित रूप से जुड़े संदिग्ध आतंकी मोहम्मद हामिद मंडल को गिरफ्तार किया गया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, उसके पास से सीएम शुभेंदु अधिकारी की सुरक्षा और वीआईपी मूवमेंट से जुड़े दस्तावेज मिले हैं, जिनके आधार पर संभावित साजिश की जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी को बर्धमान स्थित किराये के फ्लैट से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया और रिमांड की मांग की। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वह कुछ महीने पहले हावड़ा से बर्धमान आया था और लगातार ठिकाने बदल रहा था। खुफिया एजेंसियां उसके पाकिस्तान में प्रशिक्षण, आईएसआई से कथित संपर्क और जैश के नेटवर्क से संभावित संबंधों की भी जांच कर रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां पूरे नेटवर्क की पड़ताल में जुटी हैं।

भाजपा से शहजाद पूनावाला के इस्तीफे की अटकलें तेज

नई दिल्ली, आरएनएन । भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला के पार्टी छोड़ने की अटकलें उस समय तेज हो गईं, जब उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रोफाइल से नेशनल स्पोक्सपर्सन, बीजेपी का उल्लेख हटा दिया। हालांकि, भाजपा या पूनावाला की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पूनावाला ने अपने नए बायो में खुद को धर्म- इस्लाम, संस्कृति- हिंदू, विचारधारा- भारतीय और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आजीवन अनुयायी बताया है।

एक्स बायो से हटाया भाजपा प्रवक्ता का पद

वंदे भारत एक्सप्रेस ने रचा इतिहास... पहली बार ट्रेन से लाइव हार्ट का परिवहन

● अहमदाबाद

भारतीय रेल ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से जीवित हृदय (लाइव हार्ट) का सफल परिवहन किया है। सूरत से अहमदाबाद तक इस जीवनरक्षक अंग को ट्रेन संख्या 20901 मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए सुरक्षित और निर्धारित समय के भीतर पहुंचाया गया।

इस हृदय का प्रत्यारोपण अहमदाबाद स्थित यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में किया जाएगा। यह मिशन भारतीय रेल, गुजरात राज्य पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और चिकित्सा विशेषज्ञों के बीच उत्कृष्ट समन्वय का शानदार उदाहरण बनकर सामने आया। हृदय को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 से अस्पताल तक बिना किसी बाधा के पहुंचाने के लिए आरपीएफ और गुजरात पुलिस ने विशेष ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया, जिससे अंग को तय समयसीमा के भीतर अस्पताल पहुंचाकर प्रत्यारोपण प्रक्रिया को समय पर शुरू किया जा सका। अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक वेद प्रकाश ने कहा कि भारतीय रेल के लिए यह अत्यंत गर्व और संतोष का विषय है कि वंदे भारत एक्सप्रेस के माध्यम से जीवित हृदय को सुरक्षित और समयबद्ध तरीके से सूरत से अहमदाबाद पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे जीवनरक्षक अभियानों में समय का हर क्षण अमूल्य होता है और भारतीय रेल, आरपीएफ, गुजरात पुलिस तथा चिकित्सा टीमों के बीच बेहतरीन समन्वय ने इस मिशन को सफल बनाया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति का जीवन बचाने में भारतीय रेल की भागीदारी केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि मानवता के प्रति उसकी सर्वोच्च सेवा है। वंदे भारत एक्सप्रेस की उच्च गति, समयपालन और विश्वसनीयता ने इस मिशन की सफलता में अहम भूमिका निभाई। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि भारतीय रेल अब केवल यात्रियों और माल ढुलाई तक सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन एवं जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं में भी प्रभावी सहयोगी की भूमिका निभा रही है।

सूरत से अहमदाबाद पहुंचा लाइव हार्ट, यूएन मेहता इंस्टीट्यूट में सफल प्रत्यारोपण

भारतीय रेल की ऐतिहासिक उपलब्धि

इस ऐतिहासिक अभियान की सफलता में भारतीय रेल के विभिन्न विभागों, आरपीएफ, गुजरात राज्य पुलिस, चिकित्सकों, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों तथा संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सभी एजेंसियों के त्वरित और प्रभावी समन्वय के कारण यह चुनौतीपूर्ण मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया जा सका। भारतीय रेल की यह ऐतिहासिक उपलब्धि उसकी त्वरित, सुरक्षित और विश्वसनीय सेवाओं के साथ-साथ मानव जीवन की रक्षा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। यह मिशन भविष्य में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं और अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में रेलवे की बढ़ती भूमिका का भी महत्वपूर्ण उदाहरण बनेगा।

पहली ही बारिश में बह गई पुलिया, दरक गई व्यवस्था!

सरदारपुरा एनीकट की फेसवाल ढही, चार गांवों का टूटा संपर्क अवैध बजरी दोहन पर उठे सवाल, प्रशासन की चुप्पी से ग्रामीणों में आक्रोश

10 किलोमीटर का अतिरिक्त सफर, पेयजल संकट की आशंका, जिम्मेदारों की जवाबदेही पर बड़ा सवाल

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। मूलचन्द पेसवानी सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। शाहपुरा क्षेत्र के अरनियाघोड़ा पंचायत में शुक्रवार को हुई पहली ही बारिश ने विकास कार्यों की असलियत उजागर कर दी। नाहर सागर बांध के बहाव क्षेत्र में स्थित सरदारपुरा एनीकट की फेसवाल और सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा निर्मित पुलिया भरभराकर ढह गई। कुछ ही घंटों की बारिश ने लाखों रुपये की लागत से तैयार इस निर्माण की मजबूती की पोल खोल दी। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय पुलिया से कोई वाहन या राहगीर नहीं गुजर रहा था, अन्यथा यह लापरवाही किसी बड़े हादसे में बदल सकती थी। इस घटना ने केवल एक पुलिया नहीं तोड़ी, बल्कि सरदारपुरा, सुदर्शनपुरा, श्रीनगर, सांखलिया ग्राम पंचायतों सहित कनेछन कलां का संपर्क भी एक झटके में काट दिया। अब ग्रामीणों को अपने दैनिक कार्यों के लिए करीब 10 किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ रही है। किसानों, विद्यार्थियों, मरीजों, मजदूरों और आम लोगों की मुश्किलें अचानक कई गुना बढ़ गई हैं।

पहली बारिश में ही खुल गई निर्माण की हकीकत-

ग्रामीणों का कहना है कि यदि यह पुलिया और एनीकट गुणवत्ता के अनुरूप बनाए गए होते तो पहली ही बारिश में इस तरह धराशायी नहीं होते। क्षेत्र में कोई असाधारण बारिश नहीं हुई, फिर भी पुलिया का बह जाना और एनीकट की फेसवाल का टूट जाना सीधे-सीधे निर्माण की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। लोगों का कहना है कि सरकारी फाइलों में निर्माण कार्य भले ही मजबूत और टिकाऊ दिखाए जाते हों, लेकिन धरातल पर पहली ही परीक्षा में ढह जाने वाले ऐसे निर्माण विकास नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का प्रमाण बनते जा रहे हैं।

अवैध बजरी दोहन भी संदेह के घेरे में-

घटना के बाद ग्रामीणों के बीच एक और गंभीर चर्चा शुरू हो गई है। दबे स्वरों में लोग आरोप लगा रहे हैं कि एनीकट के आसपास पिछले कई दिनों से जेसीबी मशीनों के जरिए अवैध बजरी दोहन किया जा रहा था। इससे बहाव क्षेत्र की भूगर्भीय संरचना कमजोर हो गई और पहली बारिश में पूरी संरचना जवाब दे गई। ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध गतिविधि की जानकारी प्रशासन को पहले से थी, लेकिन प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। यदि समय रहते अवैध खनन रोका गया होता तो शायद आज यह स्थिति पैदा नहीं होती। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर अवैध बजरी दोहन करने वालों को संरक्षण कौन दे रहा था और प्रशासन की कार्रवाई केवल कागजों तक ही सीमित क्यों रही?

चार गांवों की जिंदगी प्रभावित-

पुलिया के क्षतिग्रस्त होने का सबसे बड़ा असर ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ा है। चार गांवों का मुख्य संपर्क मार्ग बंद हो गया है। अब लोगों को अस्पताल, स्कूल, बाजार और सरकारी कार्यालयों तक पहुंचने के लिए लगभग 10 किलोमीटर अतिरिक्त रास्ता तय करना पड़ रहा है। किसानों के लिए यह संकट और भी गंभीर है। खेतों तक पहुंचने में अतिरिक्त समय और खर्च दोनों बढ़ गए हैं। वहीं विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों को भी भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

पेयजल संकट की दस्तक-

पुलिया के साथ-साथ उस पर से गुजर रही पेयजल पाइपलाइन भी क्षतिग्रस्त हो गई है। इससे संबंधित गांवों में आने वाले दिनों में पेयजल संकट गहराने की आशंका पैदा हो गई है। यदि पाइपलाइन की तत्काल मरम्मत नहीं की गई तो ग्रामीणों को पानी के लिए भी संघर्ष करना पड़ सकता है। दूसरी ओर एनीकट के क्षतिग्रस्त होने से उसमें संचित पानी लगातार बह रहा है। यदि समय रहते इस पानी को नहीं रोका गया तो जल संरक्षण की पूरी व्यवस्था प्रभावित होगी और आने वाले समय में किसानों को सिंचाई संकट का सामना करना पड़ सकता है।

सूचना के बाद भी अधिकारी नदारद-

घटना की सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत प्रशासक प्रतिनिधि दयाशंकर गुर्जर मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने तत्काल प्रशासन तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को सूचना दी। हैरानी की बात यह रही कि जल संसाधन विभाग और पीडब्ल्यूडी से जुड़े होने के बावजूद शाम तक कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर निरीक्षण के लिए नहीं पहुंचा। इससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। लोगों का कहना है कि हादसा होने के बाद भी यदि अधिकारी मौके तक नहीं पहुंचते तो यह प्रशासनिक संवेदनहीनता का सबसे बड़ा उदाहरण है। जनता की परेशानी से आखिर जिम्मेदार अधिकारियों का क्या लेना-देना?

अब हर काम के लिए 10 किलोमीटर घूमना पड़ रहा-

गांव के रोडूलाल माली ने बताया कि पुलिया टूटने के बाद गांव के लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। पहले जहां कुछ ही मिनटों में गंतव्य तक पहुंच जाते थे, अब हर कार्य के लिए लगभग 10 किलोमीटर अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। इससे समय की बर्बादी के साथ आर्थिक नुकसान भी लगातार बढ़ रहा है।

समय रहते मरम्मत होती तो नहीं आती नौबत-

जीव दया सेवा समिति के संयोजक अतू खा कायमखानी ने कहा कि यदि सार्वजनिक निर्माण विभाग ने बरसात शुरू होने से पहले पुलिया का तकनीकी निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कर दी होती तो आज ग्रामीणों को इस संकट का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने विभाग से तत्काल अस्थायी वैकल्पिक मार्ग तैयार कर आवागमन बहाल करने की मांग की है ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके।

स्वतंत्र एजेंसी से जांच की मांग-

अतू खा कायमखानी ने पहली ही बारिश में पुलिया बह जाने को बेहद गंभीर मामला बताते हुए इसकी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि इतनी कम बारिश में यदि पुलिया बह जाती है तो यह केवल प्राकृतिक घटना नहीं, बल्कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है।

जनता पूछ रही है जिम्मेदार कौन?

यह घटना केवल एक पुलिया या एनीकट टूटने तक सीमित नहीं है। यह सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, निगरानी व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही पर बड़ा सवाल बनकर सामने आई है। आखिर पहली ही बारिश में करोड़ों की योजनाओं का दम क्यों निकल जाता है? क्या गुणवत्ता की जगह सिर्फ कागजी खानापूर्ति होती है? क्या जांच केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगी? ग्रामीणों का कहना है कि अब उन्हें केवल आश्वासन नहीं, बल्कि कार्रवाई चाहिए। दोषियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, अवैध बजरी दोहन की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जल्द से जल्द पुलिया तथा एनीकट की मरम्मत कर आवागमन और जल संरक्षण व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए। अब निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं। देखना यह होगा कि इस बार भी मामला जांच की फाइलों में दब जाएगा या फिर पहली बार जनता के भरोसे को कायम रखने के लिए जिम्मेदार लोगों पर वास्तव में कार्रवाई होगी। क्योंकि इस बार टूटी केवल पुलिया नहीं है, व्यवस्था पर जनता का भरोसा भी दरक गया है।

अफीम तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस कोर्ट में सुनवाई पूरी, दो आरोपियों को 15-15 साल कठोर कारावास ओर डेढ़ डेढ़ लाख अर्थदंड की सजा

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । 7 मार्च 2022 में मंडपिया चौकी के सामने नाकाबानी के दौरान मंगरोप पुलिस ने 4 किलो 200 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक आरोपी को पकड़ा था उक्त कार्यवाही को मंगरोप थाने के तत्कालीन थाना प्रभारी मोतीलाल के नेतृत्व वाली टीम ने अंजाम दिया था । नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने बाइक सवार तस्कर से अवैध मादक पदार्थ बरामद किया था । पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम चेनाराम पुत्र मांगीलाल गुंदरावत निवासी जीवा नीमच सिटी बताया ओर मादक पदार्थ को परमानंद जाट निवासी बरखेड़ादेव, मल्हारगढ़ मंदसौर निवासी से खरीदना कबूल किया था । खरीददार को पुलिस ने उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया ओर एनडीपीएस एक्ट के तहत कोर्ट में चार्जशीट पेश की । विशिष्ट लोक अभियोजक रामस्वरूप गुर्जर ने इस मामले की पैरवी करते हुए सुनवाई के दौरान 8 गवाह ओर 78 दस्तावेज दाखिल किए । एनडीपीएस न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीश ने आरोपियों को दोषी करार देते हुए 15-15 साल कठोर कारावास ओर डेढ़ डेढ़ लाख रु से दंडित किया ।

कायस्थ महासभा ने संगठन विस्तार के तहत नई नियुक्तियों की घोषणा की

स्मार्ट हलचल

कोटा। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, राजस्थान की प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप माथुर ने संगठन के विभिन्न पदों पर नई नियुक्तियों की घोषणा की है। संगठन को मजबूत और अधिक सक्रिय बनाने के उद्देश्य से संभाग एवं जिला स्तर पर नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप माथुर ने नितिन भटनागर को कोटा संभाग अध्यक्ष, विनोद सक्सेना को कोटा जिला अध्यक्ष तथा मयूर सक्सेना को युवा प्रदेश अध्यक्ष (राजस्थान) नियुक्त किया है। प्रदेश महामंत्री दीप माथुर ने बताया कि संगठन विस्तार अभियान के तहत कोटा, जोधपुर, बीकानेर और उदयपुर संभाग सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में भी नए जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां की गई हैं। इसका उद्देश्य संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ बनाते हुए समाज के बीच महासभा की सक्रियता और जनसंपर्क को बढ़ाना है। प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप माथुर ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि वे संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने, समाज को संगठित करने तथा महासभा की गतिविधियों को प्रदेशभर में नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से समाजहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

स्मार्ट हलचल की खबर का असर

खजूरी में सड़क के गड्ढों की मरम्मत शुरू, ग्राम पंचायत ने दिखाई पहल

संबंधित विभाग की चुप्पी के बीच खजूरी ग्राम पंचायत ने ग्रेवल डलवाकर राहगीरों को दी तत्काल राहत

स्मार्ट हलचल

खजूरी अलकेश पारीक। जहाजपुर से त्रिवेणी धाम को जोड़ने वाले स्टेट हाईवे-134 पर खजूरी ग्राम पंचायत के बाहर बने जानलेवा गड्ढों की समस्या को 'स्मार्ट हलचल' द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किए जाने के बाद आखिरकार समाधान की दिशा में पहल शुरू हो गई है। हालांकि सड़क की जिम्मेदारी संभालने वाले संबंधित विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, लेकिन खजूरी ग्राम पंचायत ने जनहित को प्राथमिकता देते हुए स्वयं आगे बढ़कर गड्ढों में ग्रेवल डलवाने का कार्य शुरू करवाया।

जेसीबी और मजदूरों की मदद से भरे गए गड्ढे

?ग्राम पंचायत की ओर से जेसीबी मशीन और मजदूरों की मदद से सड़क पर बने विशाल गड्ढों को ग्रेवल से भरवाया गया, जिससे फिलहाल वाहन चालकों और आम राहगीरों को हादसों से राहत मिली है। गौरतलब है कि बरसात के कारण इन गड्ढों में पानी भर जाता था, जिससे राहगीरों और दोपहिया वाहन चालकों के लिए हर पल दुर्घटना का अंदेशा बना रहता था।

'विभाग रहा पीछे, पंचायत ने निभाया जनधर्म'

?स्थानीय ग्रामीणों ने 'स्मार्ट हलचल' की निष्पक्ष पत्रकारिता और पंचायत की इस त्वरित पहल की सराहना की है। ग्रामीणों ने कहा कि जब संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट गया, तब पंचायत ने जनहित को देखते हुए राहत कार्य कराया। हालांकि, लोगों का साफ कहना है कि यह केवल एक अस्थायी व्यवस्था है और सड़क का स्थायी डामरीकरण विभाग को ही कराना होगा।

प्रशासन और सड़क निर्माण एजेंसी से स्थायी मरम्मत की मांग

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित सड़क निर्माण एजेंसी से पुरजोर मांग की है कि खजूरी ग्राम पंचायत द्वारा किए गए इस अस्थायी पैचवर्क के बाद अब स्टेट हाईवे-134 की गुणवत्तापूर्ण एवं स्थायी मरम्मत जल्द से जल्द कराई जाए, ताकि आने वाले दिनों में बारिश होने पर दोबारा वही जानलेवा स्थिति न बने।

भारत में फैलती खाद्य पदार्थों में मिलावट चिंता जनक 2 लाख में से 40 हजार सैंपल फैल, यूपी नंबर 1

जिस सरकारी महकमे पर खाद्य पदार्थों की नियमित जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को अमल में लाने की जिम्मेदारी है, क्या वह अपना दायित्व ठीक से निभा रहा है या नहीं

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। देश में खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर समस्या बन गई है। इससे न केवल शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं का संकट पैदा हो गया है, बल्कि इसकी वजह से लोग कई तरह की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं से भी जूझ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के तमाम दावों के बावजूद मुनाफा कमाने के इस अवैध कारोबार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के ताजा आंकड़ों से साफ है कि मिलावटी वस्तुओं का बाजार बेरोक-टोक फल-फूल रहा है। वर्ष 2025-2026 में देश भर में पांच लाख से अधिक खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण के बाद दो लाख से ज्यादा नमूने लिए गए थे।

इनमें से चालीस हजार नमूने गैर-मानक पाए गए, जिनमें सबसे ज्यादा बीस हजार नमूने उत्तर प्रदेश के थे। हालांकि देश के अन्य राज्यों में भी स्थिति अच्छी नहीं है। यह अक्सर देखा गया है कि गुणवत्ता जांचने के लिए जब भी खाद्य पदार्थों के नमूने लिए जाते हैं, तो उनमें से ज्यादातर में मिलावट पाई जाती है। आखिर क्या वजह है कि कानूनी प्रावधानों के बावजूद खाद्य पदार्थों में मिलावट के अवैध धंधे का जाल फैलता जा रहा है। सवाल है कि जिस सरकारी महकमे पर खाद्य पदार्थों की नियमित जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई को अमल में लाने की जिम्मेदारी है, क्या वह अपना दायित्व ठीक से निभा रहा है या नहीं जो मामले दर्ज होते हैं, उनमें भी दोषियों को सजा मिलने की दर अगर बेहद कम रहती है, तो यह किसकी लापरवाही है। जाहिर है कि संबंधित महकमे के कर्मियों की साठगांठ की वजह से ही अक्सर मिलावट करने वाले बच निकलते हैं। यही कारण है कि इस अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों को कानून का कोई खौफ नहीं रह गया है। ऐसे में सरकार को चाहिए कि खाद्य पदार्थों की निगरानी और जांच का जिम्मा संभालने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए और मिलावटखोरों को संरक्षण देने वालों के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए। इसके अलावा आम लोगों को भी मिलावटी पदार्थों के प्रति व्यापक स्तर पर जागरूक किए जाने की जरूरत है।

तेज रफ्तार का कहर

भीलवाड़ा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर दो ट्रेलरों की भीषण भिड़ंत,केबिन में फंसे चालक की मौके पर मौत

स्मार्ट हलचल

मंगरोप @मुकेश खटीक। भीलवाड़ा-चित्तौड़गढ़ राजमार्ग पर शुक्रवार तड़के करीब 4:30 बजे संगम स्कूल के समीप कानोली चौराहे के पास दो ट्रेलरों के बीच भीषण टक्कर हो गई।हादसा इतना भयावह था कि पीछे से टकराए ट्रेलर की केबिन के परखच्चे उड़ गए और चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया।गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।दुर्घटना मंगरोप और पुर थाना बॉर्डर पर घटित हुई है जानकारी के अनुसार,जोधपुर से चित्तौड़गढ़ की ओर जा रहा एक ट्रेलर हाईवे पर आगे चल रहा था।इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे दूसरे ट्रेलर ने उसे जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे वाले ट्रेलर की केबिन आगे चल रहे ट्रेलर में बुरी तरह घुस गई और चालक बाहर निकल ही नहीं सका।हादसे के समय ट्रेलर में चालक अकेला था।दुर्घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।इसी दौरान वहां से गुजर रहे फागणा का खेड़ा निवासी दिनेश गुर्जर ने तुरंत पुर थाना पुलिस को हादसे की सूचना दी।सूचना मिलते ही पुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।चालक का शव केबिन में बुरी तरह फंसा होने के कारण उसे बाहर निकालने के लिए क्रेन मंगवाई गई।पुलिस की मौजूदगी में ट्रेलर को हटाने और शव निकालने की कार्रवाई की जा रही है।फिलहाल मृत चालक की शिनाख्त एवं हादसे के अन्य कारणों की जांच की जा रही है।प्रारंभिक तौर पर दुर्घटना का कारण तेज रफ्तार और पीछे से हुई जोरदार टक्कर माना जा रहा है।हादसे के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा।

मांडलगढ़ में बेलगाम बजरी माफिया, शाम ढलते ही ट्रकों की कता

ग्रामीणों ने आंदोलन की दी चेतावनी

स्मार्ट हलचल

बिल्या, मालीखेड़ा, बीगोद, काछोला सहित कई क्षेत्रों में अवैध खनन का आरोप, फर्जी रवन्नों के इस्तेमाल और कार्रवाई नहीं होने पर उठे सवाल मांडलगढ़, स्मार्ट हलचल। मांडलगढ़ क्षेत्र में कथित अवैध बजरी खनन एवं परिवहन को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। क्षेत्र के बिल्या, मालीखेड़ा, नील की खेड़ी, जालिया, बीगोद, सोपुरा और काछोला सहित कई इलाकों में शाम ढलते ही बजरी से लदे ट्रक-ट्रेलरों की लंबी कतारें लगने का आरोप लगाया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि खुलेआम अवैध खनन और परिवहन हो रहा है, जबकि जिम्मेदार विभाग प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार प्रतिदिन बड़ी संख्या में ट्रक और ट्रेलर बजरी भरकर विभिन्न क्षेत्रों की ओर रवाना होते हैं। उनका आरोप है कि बजरी परिवहन में फर्जी रवन्नों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होने की आशंका है। ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से ग्रामीण सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं। इससे किसानों, स्कूली बच्चों और आम लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। धूल प्रदूषण और दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि अवैध खनन का विरोध करने वाले लोगों को धमकियां दी जाती हैं, जिससे गांवों में भय का माहौल बना हुआ है। उनका कहना है कि लगातार शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस से अवैध खनन एवं परिवहन पर तत्काल रोक लगाने, फर्जी रवन्नों की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

'किसानों की जमीन नहीं देंगे'

तख्तपुरा में भूमि अधिग्रहण के विरोध में सैकड़ों ग्रामीणों का धरना

स्मार्ट हलचल

हमीरगढ़ (अल्लाउद्दीन मंसूरी)। हमीरगढ़ उपखंड क्षेत्र के तख्तपुरा गांव में किसानों की भूमि अधिग्रहण कर एयरपोर्ट के फ्लाइंग स्कूल विस्तार के लिए निजी हाथों में सौंपे जाने के विरोध में ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया। धरने में सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष शामिल हुए। इसके बाद ग्रामीणों ने हमीरगढ़ उपखंड अधिकारी झंवर लाल मित्तल को ज्ञापन सौंपकर किसानों की भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की। समाजसेवी विकास पारीक ने बताया कि तख्तपुरा गांव के किसानों की कृषि भूमि का अधिग्रहण कर एयरपोर्ट के फ्लाइंग स्कूल के विस्तार के लिए निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के अधिकांश परिवार खेती एवं पशुपालन पर निर्भर हैं और उनकी कृषि भूमि ही आजीविका का मुख्य साधन है। ऐसे में किसानों

की भूमि अधिग्रहित होने से कई परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो सकता है।उन्होंने बताया कि पूर्व में भी गांव की बड़ी कृषि भूमि रेलवे लाइन एवं अन्य विकास कार्यों में जा चुकी है। अब शेष बची कृषि भूमि का भी अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे किसानों के सामने भविष्य में गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न होने की आशंका है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि किसानों की भूमि लेकर एयरपोर्ट के फ्लाइंग स्कूल विस्तार के लिए निजी संस्था को सौंपा जा रहा है, जिसका ग्रामीणों ने कड़ा विरोध किया।

धरने के दौरान ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए किसानों की भूमि बचाने की मांग उठाई। महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में धरने में भाग लेकर किसानों के समर्थन में आवाज बुलंद की। ग्रामीणों ने कहा कि विकास कार्यों के नाम पर किसानों की उपजाऊ भूमि का अधिग्रहण कर उन्हें भूमिहीन नहीं किया जाना चाहिए। ज्ञापन के माध्यम से ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी झंवर लाल मित्तल से मांग की कि तख्तपुरा के किसानों की भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तत्काल रोका जाए तथा मामले की निष्पक्ष जांच कर किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लिया जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया वापस नहीं ली गई तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष ग्रामीण मौजूद रहे।

सांसद दामोदर अग्रवाल ने की गृहमंत्री अमित शाह के साथ शिष्टाचार भेंट

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल ने आज संसद भवन में माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट की व विभिन्न क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी ने बताया कि सांसद अग्रवाल ने आज देश के ग्रह मंत्री अमित भाई शाह से शिष्टाचार भेंट की व केसरिया दुपट्टा पहनाकर अभिवादन किया इस दौरान राजस्थान से जुड़े महत्वपूर्ण प्रकरणों सहित राष्ट्रहित के कई विषयों पर उनका विस्तृत मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। सांसद अग्रवाल ने इस मुलाकात पर कहा कि यह अत्यंत अविस्मरणीय क्षण' है मेरे लिये माननीय गृहमंत्री अमित शाह जी के सरल व्यवहार और प्रेरणादायी शब्दों ने मुझे भावुक एवं गौरवान्वित किया। यह क्षण सदैव मेरी सुंदर स्मृतियों में संजोया रहने के साथ साथ मुझे प्रेरणा देता रहेगा। सांसद अग्रवाल ने कहा की अपना विशेष समय एवं स्नेह प्रदान करने हेतु गृहमंत्री अमित शाह का हृदय से आभार व धन्यवाद प्रकट करता हु। भीलवाड़ा जिले भर के सभी कार्यकर्ताओं में अमित भाई शाह से मुलाकात पर अपार उत्साह देखा गया सभी ने सांसद अग्रवाल को बधाई प्रेषित की।

अभिभाषक संस्था शाहपुरा में संविधान संशोधन पर लगी मुहर की दिशा, बहुमत ने दिए बदलाव के संकेत

साधारण सभा में 41 मत संशोधन के पक्ष में, नवोदित अधिवक्ताओं का हुआ सम्मान, लोकतांत्रिक परंपरा का दिखा सशक्त उदाहरण

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। मूलचन्द पेसवानी स्थानीय संस्था भवन परिसर शनिवार को उस समय लोकतांत्रिक विमर्श का साक्षी बना, जब अभिभाषक संस्था शाहपुरा की साधारण सभा में संस्था के संविधान में प्रस्तावित संशोधनों को लेकर गंभीर, व्यापक और विचारोत्तेजक मंथन हुआ। संस्था अध्यक्ष आशीष पालीवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में कार्यकारिणी द्वारा तैयार किए गए संविधान संशोधन के प्रारूप पर सदस्यों ने खुलकर अपने विचार रखे। बैठक का संचालन संस्था सचिव अरविंद सिंह राणावत ने प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया। बैठक की शुरुआत सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई, जहां हाल ही में एआईबी (ऑल इंडिया बार) परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले नवोदित अधिवक्ताओं का गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यकारिणी और वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने नवप्रवेशी वकीलों को माल्यार्पण कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस सम्मान समारोह ने सभा के वातावरण को उत्साह और ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद सभा का मुख्य एजेंडा–संविधान संशोधन–पर चर्चा प्रारंभ हुई। कार्यकारिणी द्वारा तैयार किए गए संशोधन मसौदे पर सदस्यों ने विस्तृत और तथ्यपरक चर्चा की। कई सदस्यों ने अपने सुझाव एवं आपत्तियां भी दर्ज कराईं, जिससे चर्चा कभी-कभी तीखी लेकिन पूरी तरह लोकतांत्रिक और गरिमामय बनी रही। विभिन्न प्रार्थना पत्रों और सुझावों पर गंभीर विचार-विमर्श के बाद मतदान की प्रक्रिया अपनाई गई। मतदान के परिणामों ने स्पष्ट कर दिया कि संस्था के अधिकांश सदस्य समय की आवश्यकताओं के अनुरूप संविधान में बदलाव के पक्षधर हैं। संशोधन प्रस्ताव के समर्थन में 41 मत पड़े, जबकि 9 सदस्यों ने विरोध में मतदान किया और एक सदस्य ने अपनी राय प्रकट नहीं की। इस स्पष्ट बहुमत के साथ साधारण सभा ने कार्यकारिणी को आवश्यक सुझावों और सदस्यों की राय को समाहित करते हुए संशोधन मसौदे को अंतिम रूप देकर आगे की प्रक्रिया पूरी करने की सहमति प्रदान की। सभा में यह भी स्पष्ट किया गया कि प्रस्तावित संशोधन संस्था की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि समयानुकूल बदलाव संस्था की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ अधिवक्ताओं के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। संस्था अध्यक्ष आशीष पालीवाल ने कहा कि अभिभाषक संस्था का उद्देश्य केवल संविधान में परिवर्तन करना नहीं, बल्कि संस्था को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप अधिक सक्षम और सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक सुधार संस्था की आंतरिक कार्यप्रणाली को मजबूती देंगे तथा न्यायिक पेशे की गरिमा, गुणवत्ता और आमजन के विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंकित शर्मा, कोषाध्यक्ष तेज प्रकाश पाठक, पुस्तकालय अध्यक्ष धनराज वैष्णव, सह-सचिव प्रीति जैन, वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिलोकचंद नौलखा, दुर्गालाल राजोरा, कन्हैयालाल धाकड़, गोविंद सिंह, कल्याणमल धाकड़, रामप्रसाद चौधरी, कैलाश सुवालका, अनिल शर्मा, अमन ओझा, भगवान मीणा, बिल्कुल शर्मा, राहुल साहू, अंकित मालू, महेंद्र रायका सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे। सभी ने संस्था के विकास और लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक के समापन पर संस्था सचिव अरविंद सिंह राणावत ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साधारण सभा में मिला बहुमत कार्यकारिणी के लिए एक सकारात्मक संदेश है। संस्था सदस्यों की भावनाओं और सुझावों का सम्मान करते हुए संविधान संशोधन की प्रक्रिया को नियमानुसार आगे बढ़ाएगी। यह बैठक अभिभाषक संस्था शाहपुरा में लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद की जाएगी।

पूर्व मुख्यमंत्री मोहनलाल सुखाड़िया की 110वी जयंती पर शहर कांग्रेस ने किया श्रद्धासुमन अर्पित, पदचिह्नों पर चलने का लिया संकल्प

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा // शहर के सुखाड़िया सर्किल पर भीलवाड़ा शहर जिला कांग्रेस कमेटी के बैनर तले राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय मोहनलाल सुखाड़िया की 110वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवराम खटीक के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सुखाड़िया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की तथा उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवराम खटीक ने कहा कि मोहनलाल सुखाड़िया आधुनिक राजस्थान के प्रमुख शिल्पकारों में से एक थे। उन्होंने लंबे समय तक राजस्थान के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए प्रदेश के विकास, शिक्षा, सिंचाई और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सुखाड़िया के आदर्शों और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया है तथा उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय किया है। कार्यक्रम में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

विद्यार्थी देश के भविष्य के निर्माता, शिक्षा के लिए फंड की कोई कमी नहीं : विधायक गोपाल लाल खंडेलवाल

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ(दीपक राठौर) राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिजोलिया में वरिष्ठ शिक्षाविद् श्री हरिशंकर धाकड़ के सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का आयोजन गरिमामय एवं भावपूर्ण वातावरण में किया गया। समारोह में विद्यालय परिवार, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने श्री धाकड़ का साफा एवं माल्यार्पण कर अभिनंदन किया तथा शिक्षा क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान की सराहना की। हरिशंकर जी धाकड़ द्वारा बच्चों को कृष्ण भोग का आयोजन भी रखा गया इस अवसर पर विधायक श्री गोपाल लाल खंडेलवाल ने कहा कि 'विद्यार्थी देश के भविष्य के निर्माता हैं। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य एवं शिक्षा के लिए आवश्यक फंड की व्यवस्था में सरकार की ओर से किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। सरकार शिक्षा के विकास एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण उत्थान के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।' कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं संस्कारों के साथ शिक्षा ग्रहण कर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का संदेश दिया। इस दौरान विधानसभा संयोजक अनिल पारीक, अधिवक्ता सुनील कुमार जोशी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजेश शर्मा, शांति लाल जोशी, प्राचार्य दिलीप सिंह, मुकेश धनोपिया, वेदप्रकाश तिवारी, जगदीश पुरी, उमाशंकर वैष्णव, जितेन्द्र सिंह चौहान, अमित जैन सहित विद्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने श्री हरिशंकर धाकड़ के स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य दिलीप सिंह ने किया

एसडीआरएफ ने मॉडल स्कूल मांडलगढ़ में दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण, छात्रों को सिखाए जीवन रक्षक गुर

बाढ़, आग और दुर्घटनाओं से बचाव के साथ सीपीआर एवं प्राथमिक उपचार का कराया व्यावहारिक प्रशिक्षण

स्मार्ट हलचल

मॉडल स्कूल मांडलगढ़ मांडलगढ़, । राज्य आपदा मोचन बल (SDRF) की टीम द्वारा मॉडल स्कूल मांडलगढ़ में आपदा प्रबंधन एवं राहत-बचाव प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ को बाढ़, आग तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में बचाव एवं राहत कार्यों की व्यावहारिक जानकारी दी गई। एसडीआरएफ टीम ने विद्यार्थियों को दुर्घटना के दौरान प्राथमिक उपचार, अत्यधिक रक्तस्राव रोकने के उपाय तथा सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) तकनीक का प्रदर्शन कर प्रशिक्षण दिया। साथ ही आग लगने की स्थिति में सुरक्षित तरीके से आग पर काबू पाने और बचाव कार्य करने के तरीके भी समझाए गए। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और मौके पर ही सीपीआर देने एवं आग बुझाने की तकनीकों का अभ्यास कर महत्वपूर्ण जीवन रक्षक कौशल सीखा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को आपदा के समय धैर्य, सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का महत्व भी बताया गया। कार्यक्रम में एसडीआरएफ टीम प्रभारी गोपाल के नेतृत्व में घमंडाराम, राजेंद्र, संतोष कुमार, राजेश कुमार, शंकर लाल एवं जयप्रकाश ने प्रशिक्षण प्रदान किया। अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह राणावत ने एसडीआरएफ टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि टीम द्वारा दिया गया यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी है और भविष्य में आपातकालीन परिस्थितियों में यह ज्ञान उनके जीवन की रक्षा करने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम प्रभारी शंभू प्रसाद स्वर्णकार ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

उपनगर पुर की बेटी संध्या बिश्नोई ने रचा इतिहास

यूरोप के अजरबैजान में आयोजित अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर बढ़ाया देश, राजस्थान और भीलवाड़ा का मान

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा :राजकुमार गोयल भीलवाड़ा शहर के उपनगर पुर की होनहार बेटी एवं शिव व्यायामशाला, पुर की प्रतिभाशाली पहलवान संध्या बिश्नोई ने यूरोप के अजरबैजान में आयोजित अंडर-17 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इस उपलब्धि से भारत, राजस्थान, भीलवाड़ा, उपनगर पुर और शिव व्यायामशाला, पुर का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है। संध्या की यह सफलता उनकी वर्षों की कठिन मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम है, जो प्रदेश के युवाओं और बेटियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। संध्या बिश्नोई ने अपनी इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय अपने मुख्य कोच कल्याण बिश्नोई, सहायक कोच रामनिवास बिश्नोई तथा मामा कृष्ण गोपाल बिश्नोई के निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणा को दिया। उन्होंने कहा कि उनके माता-पिता के अटूट सहयोग, विश्वास और प्रोत्साहन के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं हो पाती। उपनगर पर के समस्त जनता की ओर से संध्या बिश्नोई को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएँ देता है। हमें विश्वास है कि वे आने वाले समय में भी देश के लिए स्वर्णिम सफलताएँ अर्जित कर भारत का गौरव बढ़ाती रहेंगी।

'उपनगर पुर की बेटी बनी देश की शान, रजत पदक जीत बढ़ाया भीलवाड़ा का मान।'

तलाक का नोटिस भेजते ही पति ने पत्नी पर किया जानलेवा हमला, हाथ-पैर तोड़ने का आरोप

न्याय की गुहार लगाने एंबुलेंस से एसपी ऑफिस पहुंची पीड़िता, आरोपी पति डिटेन

स्मार्ट हलचल

पुनित चपलोत भीलवाड़ा। शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में पति की प्रताड़ना और जानलेवा हमले से घायल एक विवाहिता न्याय की गुहार लेकर एंबुलेंस से पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची। पीड़िता ने एसपी सागर राणा को ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि पति ने तलाक का नोटिस भेजने से नाराज होकर उस पर डंडों से हमला किया, जिससे उसके हाथ और पैर में फ्रैक्चर हो गया। साथ ही उसने गांधीनगर थाना पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एफआईआर दर्ज होने के बावजूद मामले में पूरी घटना दर्ज नहीं की गई और अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। बाबा धाम, सांवरिया विला निवासी सुमित्रा उर्फ सुमन तिवाडी ने बताया कि वर्ष 2016 में उसकी शादी प्रकाश तिवारी से हुई थी। शादी के बाद से ही पति नशे की हालत में आए दिन मारपीट करता था और रुपयों की मांग करता था। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर वह पिछले करीब पांच वर्षों से अपने आठ वर्षीय बेटे के साथ अलग रह रही है और कार क्रय-विक्रय का कार्य कर अपना जीवनयापन कर रही है। इसके बावजूद आरोपी उसके पास पहुंचकर पैसों की मांग करता और मारपीट करता था। पीड़िता के अनुसार, लगातार प्रताड़ना से तंग आकर उसने पति को तलाक का लीगल नोटिस भेजा। आरोप है कि इसके अगले ही दिन 22 जुलाई की सुबह आरोपी उसके घर में घुस आया और कमरे में बंद कर लकड़ी के डंडे से हमला कर दिया। सिर पर किए गए वार को रोकने के दौरान उसके हाथ की हड्डी टूट गई, जबकि भागने का प्रयास करने पर पैर पर हमला कर दिया गया, जिससे पैर में भी गंभीर चोट आई। बाद में सहकर्मियों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां ऑपरेशन करना पड़ा। महिला का आरोप है कि उसने गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने एफआईआर संख्या 184/2026 में पूरी घटना का उल्लेख नहीं किया और जानलेवा हमले की धाराएं भी नहीं जोड़ीं। आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से वह लगातार मुकदमा वापस लेने, बेटे का अपहरण करने और जान से मारने की धमकियां दे रहा है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से निष्पक्ष जांच, उचित धाराओं में कार्रवाई की मांग की है । वही गांधीनगर थाना प्रभारी पुष्पा कासौटियां ने बताया कि उक्त मामले में आरोपी पति प्रकाश को डिटेन कर लिया गया है,जिससे पूछताछ की जा रही है ।

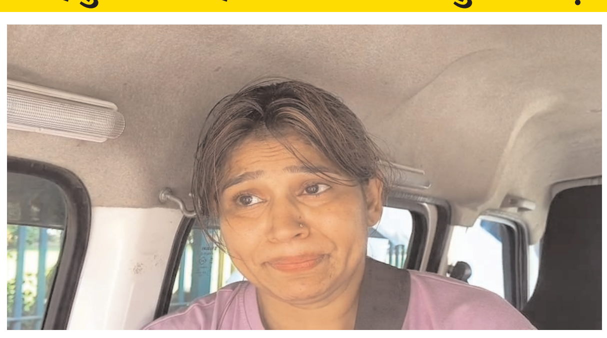

एक बार फिर पति हुआ पत्नी की प्रताड़ना का शिकार

'शादी के बाद टूटा रिश्ता, अब सोशल मीडिया पर 'चरित्रहनन' का आरोप! युवक ने पुलिस से लगाई इंसाफ की गुहार '

स्मार्ट हलचल

नीमगांव खीरी। सोशल मीडिया के बढ़ते दुरुपयोग का एक मामला सामने आया है। थाना नीमगांव क्षेत्र के ग्राम अटवा निवासी एक युवक ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष के लोग सोशल मीडिया के जरिए उसकी छवि खराब कर रहे हैं। पीड़ित ने मामले में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, युवक की शादी 4 दिसंबर 2025 को हुई थी। कुछ समय बाद पारिवारिक विवाद के चलते उसकी पत्नी मायके चली गई। युवक का आरोप है कि जब वह पत्नी को विदा कराने ससुराल पहुंचा तो उसके साथ अभद्रता की गई और वहां से भगा दिया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि इसके बाद उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष के लोग फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उसके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां और वीडियो साझा कर रहे हैं, जिससे समाज में उसकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंच रही है। इतना ही नहीं, आरोप है कि उसे लगातार धमकियां भी दी जा रही हैं। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

पालना गृह में नवजात शिशु मिला

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । महात्मा गांधी चिकित्सालय स्थित मातृ एवं शिशु ईकाई में पालना गृह में सावन माह के प्रथम दिवस गुरूवार शाम को एक नवजात शिशु (मेल) मिला । पालना गृह का सायरन बजते ही अस्पताल स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुये नवजात शिशु को सुरक्षित संरक्षण में लेकर एन.आई.सीयू वार्ड मे भर्ती कराया। चिकित्सको के अनुसार नवजात शिशु का वजन 1:870 किलोग्राम है प्राथमिक उपचार के बाद वर्तमान में उसकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाडा में सूचना प्राप्त होने पर बाल कल्याण समिति भीलवाडा के सदस्य श्री विनोद राव अस्पताल पहुंचे और पूरे प्रकरण का संज्ञान लिया। चूंकि नवजात शिशु सावन में पहले दिन भगवान भोलेनाथ के दिन पालने में आया है इसलिये बाल कल्याण समिति अध्यक्ष चन्द्र कला ओझा व सदस्य विनोद राव द्वारा शिशु के सर्वोत्तम हित एवं मंगल कामना को ध्यान में रखे हुये उसका काल्पनिक नाम 'रूद्र' रखा गया। नवजात की सुरक्षा एव बेहतर देखभाल हेतू बाल कल्याण समिति भीलवाडा द्वारा नवजात की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये जिला पुलिस अधीक्षक भीलवाडा को पत्र लिखकर महात्मा गांधी अस्पताल भीलवाडा में एन.आई.सी.यू वार्ड में महिला पुलिस गार्ड तैनात कराई गई। व बेहतर उपचार हेतू महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाडा के चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखकर निर्देशित किया गया कि नवजात के उपचार में विशेष ध्यान दिया जावे। साथ ही नवजात की देखभाल के लिये यशोदा लगाने हेतू भी निर्देशित किया गया। नवजात शिशु उपचार के पश्चात पूर्ण स्वस्थ होने पर राजकीय शिशु गृह पालडी भीलवाडा में हरतान्तरित किया जावेगा व अग्रीम कानूनी एवं पुनर्वास प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी बाल कल्याण समिति भीलवाडा आमजन से अपील करती है कि यदि कोई परिवार नवजात का पालन पोषण करने में असमर्थ है तो पालना गृह में ही छोडे ताकि हर 'रूद्र' को सुरक्षित जीवन मिल सके भीलवाडा में पालना गृह महात्मा गांधी चिकित्सालय में स्थित है व एक पालना गृह राजकीय किशोर गृह पालडी में स्थित है

बदहाल आंगनबाड़ीः परिसर में जलभराव,कचरे के ढेर और सूअरों का डेरा,नौनिहालों की सेहत व भविष्य पर मंडरा रहा खतरा

स्मार्ट हलचल

मंगरोप@मुकेश खटीक। प्रारंभिक शिक्षा को किसी भी बच्चे के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव माना जाता है,लेकिन मंगरोप कस्बे के हमीरगढ़ रोड पर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की बदहाल स्थिति इस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है।जिस स्थान पर छोटे बच्चों को स्वच्छ,सुरक्षित और सकारात्मक माहौल मिलना चाहिए,वहां गंदगी,जलभराव और आवारा सूअरों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है।आंगनबाड़ी केंद्र के परिसर में जगह-जगह पानी भरा हुआ है।पूरे परिसर में कचरे के ढेर लगे हैं और आवारा सूअर बेरोकटोक घूमते नजर आते हैं।ऐसे हालात न केवल बच्चों के स्वास्थ्य के लिए खतरा हैं,बल्कि संक्रमण और मौसमी बीमारियों का जोखिम भी लगातार बढ़ा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि आंगनबाड़ी केंद्र में नियमित साफ-सफाई और रखरखाव के अभाव में यह स्थिति बनी हुई है।छोटे-छोटे मासूम बच्चों को इसी गंदगी के बीच बैठकर पढ़ाई और अन्य गतिविधियां करनी पड़ती हैं,जिससे अभिभावकों में भी चिंता बढ़ रही है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब प्रारंभिक शिक्षा के केंद्र ही बदहाली का शिकार होंगे,तो बच्चों को स्वच्छता,अनुशासन और सकारात्मक वातावरण का संदेश कैसे मिलेगा?जिस उम्र में बच्चों के व्यक्तित्व और संस्कारों की नींव रखी जाती है,उसी उम्र में यदि उन्हें गंदगी और अव्यवस्था का माहौल मिलेगा तो इसका असर उनके मानसिक और शारीरिक विकास पर भी पड़ सकता है। अब सवाल जिम्मेदार अधिकारियों से है कि आखिर आंगनबाड़ी केंद्र की नियमित सफाई,जलनिकासी और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कौन करेगा?क्या मासूम बच्चों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना केवल कागजों तक ही सीमित रहेगा,या फिर जिम्मेदार विभाग इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान करेगा?

चालीसवें मोहर्रम की कमेटी गठित, आशिक अली बने सदर

स्मार्ट हलचल

रणवीर सिंह चौहान भवानी मंडी मिश्रोली। चालीसवें मोहर्रम के आयोजन को लेकर कमेटी का गठन किया गया। अंजुमन सदर रुस्तम अली ने बताया कि पूर्व सदर शाकिर हुसैन एवं नायब सदर सद्दाम भाई की सहमति से आशिक अली को चालीसवें मोहर्रम कमेटी का नया सदर नियुक्त किया गया। वहीं पप्पू अली को नायब सदर तथा नौशाद अली को सेक्रेट्री की जिम्मेदारी सौंपी गई।उन्होंने बताया कि आयोजन को सफल एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से 15 सदस्यीय टीम का भी गठन किया गया है। नवगठित कमेटी ने मोहर्रम के सभी धार्मिक कार्यक्रमों को आपसी भाईचारे, अनुशासन और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कमेटी के सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें मुबारकबाद दीं।यह जानकारी अमजद अली द्वारा दी गई।

कोटा नागरिक सहकारी बैंक की बोर्ड बैठक में वित्तीय सुधार और ओटीएस योजना पर मंथन,आमसभा 27 सितम्बर को

ओटीएस योजना से 05 सदस्यों को 04.53 लाख की राहत,08 सदस्यो को 91.50 लाख का ऋण स्वीकृत

कोटा नागरिक सहकारी बैंक ने बढ़ाया ओटीएस योजना का दायरा, ऋणधारकों को मिलेगी राहत –राजेश कृष्ण बिरला

स्मार्ट हलचल

कोटा। कोटा नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड, कोटा की संचालक मण्डल एवं ऋण समिति की बैठक रावतभाटा रोड स्थित प्रधान कार्यालय में बैंक अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक की जानकारी देते हुए प्रबंध संचालक बीना बैरवा ने बताया कि बैठक में सीआरआर एवं एसएलआर की अनुपालना, ओटीएस योजना,वित्तिय विवरण एलएफएआर रिपोर्ट के अनुमोदन चर्चा, जमाओं की समीक्षा, पूंजीगत व्यय व वार्षिक योजना की समीक्षा, एनपीए वसूली, बैंक ग्राहक सेवा,बैंक के तलपट व आय–व्यय की समीक्षा, एनपीए ऋण,ओटीएस योजना,सुरक्षा व्यवस्था, इंटर-ब्रांच एवं बैंक रीकन्सिलिएशन, प्रतिभूति निवेश सहित कुल 34 बिंदुओं के एजेंडे पर विस्तार से विचार-विमर्श पश्चात अनुमोदित किया गया। बैठक में उपाध्यक्ष हेमराज सिंह हाडा, बोर्ड संचालक महेन्द्र कुमार शर्मा, सुरेश चंद्र काबरा, शैलेन्द्र ऋषि,महावीर सुवालका अशोक मीणा एवं नंदलाल प्रजापति,तनिशा बादल, सहवर्तित संचालक,नवनीत जाजू,अरूण भार्गव, प्रेम भाटिया सहित बोम अध्यक्ष ओम माहेश्वरी,महेश अजमेरा, एवं राजेन्द्र कुमार जैन उपस्थित रहे।

ओटीएस योजना को तीन माह का विस्तार

बैठक में अध्यक्ष राजेश कृष्ण बिरला ने बताया कि एकमुश्त ऋण समाधान योजना-2025 (संशोधित) के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। योजना के तहत पांच सदस्यों को 4.53 लाख रुपये की ऋण ब्याज राशि की राहत प्रदान की गई। साथ ही 07 नए सदस्यों को सदस्यता दी गई तथा 08 सदस्यों को 91.50 लाख रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए। जनहित को ध्यान में रखते हुए ओटीएस योजना की अवधि अगले तीन माह 30 सितम्बर के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया गया, ताकि अधिक से अधिक ऋणधारक इसका लाभ उठा सकें। बिरला ने आमसभा की घोषणा करते हुए कहा कि वित्तिय वर्ष 2025–26 की आमसभा 27 सितम्बर को आयोजित की जाएगी।

वित्तीय स्थिति में सुधार, एनपीए घटा

बैठक में मार्च 2026 तक की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि बैंक का अंकेक्षण कार्य पूर्ण हो चुका है। बैंक की कुल जमाएं 809.65 करोड़ रुपये रही, जबकि ऋण वितरण 283.09 करोड़ रुपये से अधिक रहा। बैंक ने 3.82 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया। अध्यक्ष बिरला ने बताया कि बैंक का नेट एनपीए घटकर 1.98 प्रतिशत रह गया है, जो बैंक की सुदृढ़ वित्तीय स्थिति और प्रभावी ऋण प्रबंधन का संकेत है। प्रबंध संचालनक बीना बैरवा ने बताया कि बैंक का सीआरआर एवं एसएलआर आरबीआई के गाईडलाईन के अनुसार है।

लखनऊ में दिखेगा 'बंटवारा 1947' का क्रेज, सनी देओल और टीम करेंगे खास प्रमोशन

स्मार्ट हलचल

लखनऊ/ इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जा रही फिल्मों में शामिल बंटवारा 1947 का निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस ने किया है और इसका निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। यह बहुचर्चित ऐतिहासिक ड्रामा 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। आमिर खान प्रोडक्शंस की बंटवारा 1947 रिलीज से पहले लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के दमदार पोस्टर्स, टीजर और ट्रेलर को दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला है। भारत के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जिसमें दर्द, प्यार, त्याग और इंसानी जज्बातों को बेहद करीब से दिखाया गया है। इसी वजह से फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। अब फिल्म का प्रमोशनल सफर पटना और इंदौर के बाद एक नए शहर की ओर बढ़ रहा है। 6 अगस्त 2026 को सनी देओल अपनी टीम के साथ लखनऊ पहुंचेंगे। यहां टीम फिल्म के प्रमोशन से जुड़े कई खास कार्यक्रमों में हिस्सा लेगी, मीडिया से बातचीत करेगी और फैंस से भी मुलाकात करेगी। रिलीज से पहले मेकर्स लगातार अलग-अलग शहरों में जाकर फिल्म को ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचाने में जुटे हुए हैं। करीब 30 साल बाद राजकुमार संतोषी और सनी देओल की सुपरहिट जोड़ी एक बार फिर बंटवारा 1947 के जरिए साथ आ रही है। फिल्म में शबाना आज़मी, प्रीति जी जिंटा, करण देओल, अली फज़ल और अभिमन्यु सिंह जैसे दमदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स को उम्मीद है कि यह फिल्म अपनी कहानी और दमदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ेगी। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी बंटवारा 1947 का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है। फिल्म का संगीत ए. आर. रहमान ने दिया है, जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। बंटवारा 1947 दुनियाभर के सिनेमाघरों में 14 अगस्त 2026 को रिलीज होगी।

SET-2026: अंतिम तिथि बढ़ने से हजारों अभ्यर्थियों को राहत

SET-2026 : आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त तक बढ़ी, 11 अगस्त तक कर सकेंगे आवेदन में संशोधन

स्मार्ट हलचल

कोटा। राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा (SET-2026) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एवं कोटा विश्वविद्यालय ने बड़ी राहत प्रदान की है। अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त, 2026 तक बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने 11 अगस्त, 2026 तक आवेदन पत्र में संशोधन (Correction Window) की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। इस संबंध में कोटा विश्वविद्यालय ने अधिसूचना-05/2026 जारी कर विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई है। कुलगुरू प्रो.भगवती प्रसाद सारस्वत ने बताया कि यूजीसी द्वारा जारी पात्रता संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुसार सामान्य, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए स्नातकोत्तर में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक, जबकि ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर), अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग एवं तृतीय लिंग वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे। सेट–2026 के समन्वयक धनश्याम शर्मा ने बताया कि स्नातकोत्तर द्वितिय वर्ष के विद्यार्थी अथवा जिनका परिणाम लंबित है, वे भी SET-2026 के लिए आवेदन कर सकेंगे। हालांकि ऐसे अभ्यर्थियों को परिणाम घोषित होने के बाद निर्धारित अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण कर दो वर्ष के भीतर पात्रता की शर्तें पूरी करनी होंगी। अभ्यर्थियों को अपने स्नातकोत्तर विषय में ही परीक्षा देनी होगी। यदि संबंधित विषय SET की सूची में शामिल नहीं है, तो अभ्यर्थी यूजीसी-नेट अथवा यूजीसी-सीएसआईआर नेट में सम्मिलित हो सकते हैं। आवेदन में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर अभ्यर्थी 11 अगस्त तक ऑनलाइन संशोधन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन एवं आवश्यक संशोधन पूरा करने की सलाह दी है। SET प्रमाणपत्र केवल राजस्थान राज्य में मान्य होगा तथा इसकी वैधता आजीवन रहेगी। राज्य के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं भर्ती एजेंसियां अपने निर्धारित नियमों के अनुसार स्थ्धज्ञ उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया में इसका उपयोग कर सकेंगी।

आईजी अजमेर रेंज डॉ. रवि सभरवाल ने किया ब्यावर का दौरा; पुलिस लाइन व एसपी ऑफिस का किया निरीक्षण

अपराध समीक्षा बैठक में लंबित मामलों के निस्तारण के निर्देश, पुलिसकर्मियों को इंटर सर्किल टूर्नामेंट कराने के दिए सुझाव

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। अजमेर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) डॉ. रवि सभरवाल ने शुक्रवार को ब्यावर जिले का विस्तृत दौरा किया। ब्यावर आगमन पर रिजर्व पुलिस लाइन में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके पश्चात आईजी ने पुलिस लाइन की विभिन्न शाखाओं और परिवहन शाखा का गहन निरीक्षण कर उपलब्ध संसाधनों की समीक्षा की और आवश्यक संसाधन जल्द मुहैया कराने का भरोसा दिया। निरीक्षण के दौरान जवानों और पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए आईजी डॉ. रवि सभरवाल ने कहा कि पुलिसकर्मियों में आपसी भाईचारे और टीम वर्क की भावना को मजबूत करने के लिए इंटर सर्किल टूर्नामेंट आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने सभी जवानों को अनुशासित, व्यावहारिक और सहयोगात्मक कार्यशैली अपनाने के साथ-साथ आमजन से सौहार्दपूर्ण व्यवहार कर पुलिस की सकारात्मक छवि बनाने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने के लिए भी प्रेरित किया।

अपराध समीक्षा बैठक और अभिलेखों का अवलोकन

इसके बाद आईजी ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय का दौरा कर शाखाओं के अभिलेखों की जांच की। सभागार में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में ब्यावर जिले के समस्त वृत्ताधिकारियों (COs) को लंबित मामलों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने तथा मालखाना प्रबंधन को दुरुस्त रखने के कड़े निर्देश दिए।

दौरे के दौरान मौजूद अधिकारी:

निरीक्षण और बैठक के दौरान ब्यावर पुलिस अधीक्षक श्री रतन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया, वृत्ताधिकारी ब्यावर राजेश कसाना, जैतारण वृत्ताधिकारी रमेन्द्र सिंह हाड़ा, रायपुर वृत्ताधिकारी बंशीलाल पाण्डर, मसूदा वृत्ताधिकारी शिवराज सिंह तथा प्रोबेशनर आरपीएस जयपाल सिंह व अनिल उपस्थित रहे।

दूनी में कांग्रेस की नगर निकाय चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित

स्मार्ट हलचल

दूनी। । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं टोंक-सवाई माधोपुर के सांसद हरीश चंद्र मीना के मार्गदर्शन में आगामी नगर निकाय चुनावों की तैयारियों को लेकर दूनी नगरपालिका क्षेत्र में कांग्रेस की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष महादेव मीना, मंडल अध्यक्ष नीरज मीणा, वरिष्ठ कांग्रेसजन, मंडल पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता एवं वार्ड अध्यक्षों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान आगामी नगर निकाय चुनाव की रणनीति, बूथ स्तर पर संगठन को सशक्त बनाने तथा कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों को प्रत्येक घर तक पहुँचाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एकजुटता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। सभी कार्यकर्ताओं ने पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ प्रत्येक वार्ड और प्रत्येक बूथ पर संगठन को मजबूत करने तथा आगामी नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। बैठक के अंत में दूनी नगरपालिका क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभी ने संगठन की मजबूती और जनसेवा के संकल्प को दोहराते हुए आगामी चुनावों में पूरी सक्रियता के साथ कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया। ब्लॉक अध्यक्ष महादेव मीणा, मंडल अध्यक्ष नीरज मीणा, डॉ नरेन्द्र मेहरा एडवोकेट, तारा चन्द मुन्दडा, पदम अजमेरा, कैलाश माली,चन्द्र प्रकाश मेवाडा, कैलाश कीर, प्रशान्त बरूणा, अशोक जैन, मनोहर कीर, इरफ़ान आजमी, जगदीश रेगर, अजीत व्यास, विष्णु साहू, शब्बीर मोहम्मद, सन्नू, प्रेम चंद सी आर, जगदीश डी आर, सोभाग हरिजन, सहित सैकड़ों पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद थे

सेंदरिया पुलिया पर नाकाबंदी में दबोचे दो तस्कर, 42.200 किलो अवैध डोडा पोस्त और कार जब्त

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशों पर अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के तहत जिला स्पेशल टीम (DST) और ब्यावर सदर थाना पुलिस ने सेंदरिया पुलिया के पास बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक स्विफ्ट डिजायर कार को रोककर 42.200 किलोग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद किया और दो तस्करों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया एवं वृत्ताधिकारी (ब्यावर शहर) राजेश कसाना के सुपरविजन में अंजाम दी गई। 30 जुलाई को DST को गुप्त सूचना मिली थी कि विजयनगर की तरफ से आ रही कार में अवैध मादक पदार्थ भरा है। सूचना पर त्वरित नाकाबंदी कर विजयनगर की तरफ से आती संदिग्ध कार को घेराबंदी कर रोका गया। इस दौरान तस्करों ने कार छोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने उन्हें धर दबोचा। कार की डिक्की की तलाशी लेने पर भारी मात्रा में डोडा पोस्त बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपी :

रामपाल (21 वर्ष) पुत्र भंवरलाल, निवासी नादीया कलां, थाना खेड़ापा (जोधपुर)
मुलाराम (21 वर्ष) पुत्र भगाराम, निवासी नादीया खुर्द, थाना खेड़ापा (जोधपुर)

पुलिस टीम की भूमिका:

कार्रवाई में सदर थानाधिकारी गजराज चौधरी और ष्ठस्ञ्ज प्रभारी राजदीपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में एसआई अरविन्द्र कुमार, एएसआई रामजस व जितेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल भवानी सिंह तथा कांस्टेबल सुरेन्द्र, मांगीलाल, सुखपाल, हरेन्द्र और धर्माराम शामिल रहे। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे का अनुसंधान शुरू कर दिया है।

'भारत के नारी रत्न' पुस्तक में पन्ना धाय की जाति बदलने का आरोप, गुर्जर समाज ने जताया विरोध

ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार को ज्ञापन सौंपने की घोषणा

स्मार्ट हलचल

गुर्जर समाज, उदयपुर उदयपुर, । केंद्र सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा वर्ष 2022 में प्रकाशित पुस्तक 'भारत के नारी रत्न' में राजस्थान की वीर त्यागमूर्ति मां पन्ना धाय की जाति का गलत उल्लेख किए जाने का आरोप लगाते हुए गुर्जर समाज ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि पुस्तक के पृष्ठ संख्या 8 पर पन्ना धाय की जाति 'खीची राजपूत' दर्शाई गई है, जबकि राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित विभिन्न पैनोरमा, स्मारकों एवं प्रमाणित ऐतिहासिक अभिलेखों में तथ्य अलग हैं। समाज का कहना है कि पांडोली (चित्तौड़गढ़), कमरी (राजसमंद) तथा गोवर्धन विलास (उदयपुर) स्थित पन्ना धाय पैनोरमा, पार्क एवं मूर्तियों सहित राजस्थान सरकार के आधिकारिक अभिलेखों में इतिहास स्पष्ट रूप से दर्ज है। ऐसे में केंद्रीय मंत्रालय की पुस्तक में इस प्रकार का उल्लेख ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ और मां पन्ना धाय के योगदान का अपमान है। इसी विषय को लेकर गुर्जर समाज ने विरोध दर्ज कराने का निर्णय लिया है। समाज के अनुसार 31 जुलाई 2026 को दोपहर 3 बजे उदयपुर के कलेक्ट्रेट चौराहा स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय पर एकत्र होकर एसडीएम गिरवा के माध्यम से जिला कलेक्टर तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। समाज के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक समाजजनों से कार्यक्रम में शामिल होकर ऐतिहासिक तथ्यों की रक्षा एवं मां पन्ना धाय के सम्मान के लिए एकजुट होने का आह्वान किया है।

नगर परिषद चुनाव

ब्यावर में कांग्रेस का जनसंपर्क तेज, नवनियुक्त पदाधिकारियों का साफा पहनाकर किया सम्मान

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। आगामी नगर परिषद चुनाव की तैयारियों को लेकर ब्यावर में कांग्रेस संगठन ने अपनी राजनीतिक गतिविधियाँ तेज़ कर दी हैं। शुक्रवार को अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस के ज़िला अध्यक्ष बिरदीचंद खोरवाल के चांग गेट स्थित कार्यालय पर ब्यावर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का साफा एवं माला पहनाकर भव्य स्वागत व सम्मान किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए ज़िला अध्यक्ष बिरदीचंद खोरवाल ने कहा कि निकाय चुनाव केवल राजनीतिक लड़ाई नहीं, बल्कि शहर के विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का चुनाव है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अभी से प्रत्येक वार्ड, बूथ और घर-घर तक पहुँचकर आमजन की समस्याओं को सुनें और कांग्रेस की जनकल्याणकारी नीतियों का प्रसार करें। खोरवाल ने कहा कि कार्यकर्ताओं की एकजुटता, अनुशासन और समर्पण से ही नगर परिषद में कांग्रेस का बोर्ड बनना तय है। कार्यक्रम के दौरान ब्यावर नगर कांग्रेस अध्यक्ष भरत बाघमार ने केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बढ़ती महँगाई, बेरोज़गारी, भ्रष्टाचार और स्थानीय समस्याओं की अनदेखी से जनता में भारी आक्रोश है। भाजपा ने विकास के नाम पर केवल खोखली घोषणाएँ की हैं, जबकि धरातल पर काम पूरी तरह ठप पड़े हैं। बाघमार ने दावा किया कि आगामी निकाय चुनाव में जनता भाजपा की अहंकारी नीतियों का करारा जवाब देगी। बैठक में बूथ समितियों के गठन, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और वार्डवार जनसंपर्क अभियान को गति देने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर सतीश जागृत, गणपति पंडित, विमला जूनवाल, मोतीलाल फुलवारी, बृजलाल दुलगज, मुकेश जोशी, अरविंद भटनागर, भगवान तंवर, मोहनलाल फौजी, घनश्याम फुलवारी, चेतन प्रकाश भट्ट एवं अशोक पंडित सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वृद्धा से लूट की वारदात का मात्र 04 घंटे में खुलासा, सुनील और चैनाराम गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/रायपुर। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के दिशा-निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ब्यावर डॉ. अनुकृति उज्जैनिया तथा पुलिस उप अधीक्षक (वृत्त रायपुर) बंशीलाल पाण्डर के निकट पर्यवेक्षण में रायपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने गुरु पूर्णिमा के दिन वृद्धा के साथ हुई सोने की लूट की वारदात का महज 04 घंटे में खुलासा करते हुए दो शातिर आरोपियों–सुनील पुत्र रामनिवास (निवासी जसनगर, नागौर) और चैनाराम बावरी पुत्र (उम्र 28 वर्ष, निवासी इंद्रा कॉलोनी, रायपुर)–को बापर्दा गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया माल भी बरामद कर लिया गया है।

हाथापाई कर छीने थे सोने के आभूषण

घटनाक्रम के अनुसार, 29 जुलाई 2026 को पीड़िता सुंदरी देवी (65), निवासी गुड़िया, अपने जेठौत बगदाराम के साथ राम प्याऊ माधव आश्रम (पिपरिया) से कार्यक्रम संपन्न कर दोपहर करीब 3:30 बजे घर लौट रही थीं। रास्ते में मोटरसाइकिल सवार आरोपी सुनील व चैनाराम ने उन्हें रोककर हाथापाई की और पीड़िता के पहने हुए डेढ़ तोले की सोने की कंठी, आधा तोला माथे का बोर और आधा तोला कान के पत्ते तोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर तुरंत अनुसंधान शुरू किया।

सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों से दबोचे गए आरोपी

घटना की गंभीरता को देखते हुए थानाधिकारी राजू राम सीरवी के नेतृत्व में पुलिस व साइबर सेल की विशेष टीमों का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। संभावित ठिकानों पर दबिश देकर पुलिस ने भाग रहे बदमाशों को अलग-अलग स्थानों से घेराबंदी कर दस्तयाब किया। कड़ाई से पूछताछ में आरोपियों ने पूर्व में भी कई अपराध करने की बात स्वीकार की है। कार्वाई में कांस्टेबल होनाराम, मनोज, नंदलाल और साइबर सेल के नैनाराम की विशेष भूमिका रही। फिलहाल पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से अनुसंधान कर रही है।

व्यापारियों से लाखों की लूट का पर्दाफाश

रास थाना व साइबर सेल की बड़ी कार्रवाई, 3 आरोपी गिरफ्तार, 1 बाल अपचारी निरुद्ध

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/रास। रास थाना पुलिस और जिला साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कुड़की सरहद में कपड़ा व्यापारियों से गनपॉइंट पर लाखों रुपये की नकदी और टाटा नेक्सन कार लूटने की सनसनीखेज वारदात का त्वरित पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक विधि से संघर्षरत बालक को संरक्षण में लिया है।

पिस्तौल दिखाकर कार और कैश से भरे बैग लूटे थे

जानकारी के अनुसार जोधपुर निवासी कपड़ा व्यापारी राजेश टेलर और विमल टेलर क्षेत्र के जैतारण, आनंदपुर कालू, लांबिया और रास की दुकानों से व्यापारिक कलेक्शन कर अपनी टाटा नेक्सन कार से पीसांगन जा रहे थे। दोपहर करीब 1:30 बजे कुड़की महादेव मंदिर के पास दो मोटरसाइकिलों पर आए चार बदमाशों ने उनकी कार के आगे गाड़ी लगाकर रास्ता रोक लिया। बदमाशों ने व्यापारी के सिर पर हथियार (बंदूक) लगाकर मारपीट की और मोबाइल, पर्स, कार की चाबी सहित कार की पिछली सीट पर रखे लाखों रुपये से भरे दो बैग व टाटा नेक्सन कार लूटकर फरार हो गए।

CCTV और साइबर सेल की मदद से मिले सुराग

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। अजमेर रेंज आईजी डॉ. रवि सभरवाल और ब्यावर एसपी रतन सिंह के निर्देशन तथा एएसपी डॉ.अनुकृति उज्जैनिया व डीएसपी रमेन्द्र सिंह हाडा के सुपरविजन में रास थानाधिकारी मंजू मुलेवा के नेतृत्व में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी (CCTV) कैमरों की फुटेज खंगाली। साइबर सेल प्रभारी सउनि सरफराज और रास पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण व मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें दबोच लिया।

ये आरोपी हुए गिरफ्तार:

पुलिस ने वारदात में शामिल राबड़ियावास (थाना रास) निवासी महेन्द्रसिंह (22), गुलाब (25) और प्रकाश (24) को गिरफ्तार किया है, वहीं एक नाबालिग बालक को निरुद्ध किया है। थानाधिकारी मंजू मुलेवा ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों ने लूट की वारदात करना स्वीकार कर लिया है। पुलिस फिलहाल आरोपियों से लूटी गई धनराशि, टाटा नेक्सन कार और वारदात में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी को लेकर गहन अनुसंधान कर रही है।

कानपुर में अपराधियों के खिलाफ कमिश्नरेट पुलिस के जारी अभियान में सचेंडी में कई गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

सुनील बाजपेई कानपुर। यहां पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही अपराधी अराजक तत्वों के खिलाफ सचेंडी पुलिस का अभियान लगातार जारी है। इस बीच हर तरह की आपराधिक घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए संबंधित अपराधियों को जेल भेजने में भी सफलता प्राप्त की गई है। साथ ही क्षेत्र में सघन गश्त, संदिग्धों की चेकिंग और उनकी धर पकड़ भी लगातार जारी है। योगी सरकार की मंशा के अनुरूप सचेंडी में पीड़ितों की सहायता और अपराधियों के खिलाफ लगातार जारी प्रभावी कार्यवाही के संदर्भ में यह भी अवगत कराते चलें कि आजकल चिनौती पूर्ण माने जाने वाले थाना सचेंडी की कमान सफलता पूर्वक संभाले इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा इसके पहले भी अपनी अब तक की पोस्टिंग वाले हर जनपद में पीड़ितों की हर संभव सहायता के साथ ही कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के मामले में सदैव अग्रणी रहे हैं और अब कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा कठोर परिश्रम के साथ पीड़ितों के हित में

अपराधियों के खिलाफ सचेंडी में भी लगातार सक्रिय है। जहां तक प्रभारी निरीक्षक सचेंडी के रूप में तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और जुझारू तेवरों वाले इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा की चुनौतीपूर्ण नियुक्ति का सवाल है, उसे उनकी कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में अपने कर्तव्य का पालन सदैव निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना ही माना जा रहा है। यही नहीं यूपी की पुलिस सेवा में आने के बाद निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के कठोर परिश्रमी इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा के अब तक के कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा के अनुरूप अपनी धुन के भी पक्के इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा ने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के साथ समझौता आज तक नहीं किया। इसी के साथ उनकी कार्यशैली भी संभ्रांत असहाय लोगों की हितरक्षक और बहुत मैत्रीपूर्ण भी मानी जाती है ,जिसके अनुरूप ही भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा जहां उचित पात्र लोगों की हर संभव सहायता करते हैं। साथ ही वह कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ शठे शाठ्यम समाचरेत वाली कहावत चरितार्थ करने से भी नहीं चूकते। यही वजह है कि सचेंडी के प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर दीना नाथ मिश्रा की कर्तव्य के प्रति उनकी प्रगाढ़ निष्ठा उनकी जुझारू नौकरी के अब तक के कार्यकाल में सभी संगीन घटनाओं का सटीक खुलासा करते हुए दर्जनों शातिरों को सबक सिखाने में भी सफल हो चुकी है। यही नहीं शिकायतों के निष्पक्ष निस्तारण की उनकी विलक्षण कार्यशैली भी उन्हें आम जनता के बीच लोकप्रिय बनाए हुए है।

लखीमपुर खीरी को मिला अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहन,यातायात नियम तोड़ने वालों पर रहेगी डिजिटल निगरानी

स्मार्ट हलचल

लखीमपुर खीरी। जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस विभाग को अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहन उपलब्ध कराया गया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग ने शुक्रवार को पुलिस लाइन परिसर से वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह आधुनिक इंटरसेप्टर वाहन अत्याधुनिक तकनीकों से लैस है, जिसमें स्पीड रडार, हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन (ANPR) प्रणाली सहित कई डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध हैं। इनकी सहायता से ओवरस्पीडिंग करने वाले वाहनों की पहचान, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों की निगरानी तथा आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर प्रभावी कार्रवाई की जा सकेगी। एसपी डॉ. ख्याति गर्ग ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण तेज रफ्तार और यातायात नियमों की अनदेखी है। इंटरसेप्टर वाहन के संचालन से ऐसे वाहन चालकों पर प्रभावी अंकुश लगेगा और नियमों का पालन कराने में पुलिस को बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं और सुरक्षित यात्रा को अपनी प्राथमिकता बनाएं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह वाहन जिले के विभिन्न प्रमुख मार्गों और संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित रूप से गश्त करेगा। वाहन की मदद से नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के विरुद्ध त्वरित एवं पारदर्शी कार्रवाई की जाएगी, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ-साथ सुरक्षित यातायात व्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

बजरंग दल के नवनियुक्त जिला संयोजक नारायण सिंह गणेशपुरा का भव्य नागरिक अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। बजरंग दल (जिला ब्यावर) के नवनियुक्त जिला संयोजक व समाजसेवी नारायण सिंह गणेशपुरा का श्री जीव दया सेवा संस्था (रजि.) परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उनका माला, साफा और दुपट्टा पहनाकर पारंपरिक तरीके से सम्मान किया तथा उनके सफल कार्यकाल की मंगलकामनाएँ दीं।

समाजहित और राष्ट्रहित को मिलेगी नई गति

समारोह को संबोधित करते हुए संस्था पदाधिकारियों ने कहा कि नारायण सिंह गणेशपुरा लंबे समय से सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। उनके

जिला संयोजक बनने से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी, जिससे समाज और राष्ट्रहित के कार्यों में तेजी आएगी।

'सम्मान मेरे लिए प्रेरणास्रोत' – नारायण सिंह

अपने अभिनंदन से अभिभूत नारायण सिंह गणेशपुरा ने जीव दया सेवा संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा:
'यह सम्मान मेरे लिए केवल एक अभिनंदन नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का अहसास और प्रेरणास्रोत है। मैं अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करूँगा। समाज सेवा, राष्ट्र सेवा और जनकल्याण के कार्यों में सदैव तत्पर रहना ही मेरी प्राथमिकता रहेगी। '

गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि व गणमान्य लोग उपस्थित रहे:
श्री जीव दया सेवा संस्था: लालचंद साँखला (अध्यक्ष), कपिल सेन (सचिव), डी. के. जैन (कोषाध्यक्ष), राजेंद्र जैन, मुकेश बंग।
दृष्टि सेवा संस्थान: मुकेश शर्मा (अध्यक्ष), योगेश शर्मा।
ई-रिक्शा यूनियन: दीपक अटवाल (अध्यक्ष)।
अन्य गणमान्य: कैलाश शेखावत, पिंटू प्रजापत, लखेंद्र यादव, दीक्षित साँखला, आनंद जी कच्छावा, लक्ष्यप्रताप सिंह, भरत सिंह, नरेंद्र सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

रूपवास से अटारी,वैर, भुसावर, सेंधली,रणधीरगढ,सांथा,महवा, जयपुर रोडवेज बस संचालन का शुभारंभ।

स्मार्ट हलचल

शशिकांत शर्मा भुसावर ,आगार प्रबंधक भरतपुर के अधीन रा.रा.प.निगम की बस प्रातः 6:15 बजे रुपवास से प्रस्थान कर अटारी, वैर, भुसावर, सेंधली, रणधीरगढ, सांथा, महवा पहुंच मार्ग जयपुर तक बस सेवा संचालन की मांग लम्बे अरसे से चली आ रही है। जयपुर से 1:15 पुनः वापसी जयपुर, महवा,सांथा, रणधीरगढ,सेंधली, भुसावर,वैर, अटारी रुपवास पहुंचेगी। पूर्व सरपंच सतीश पांडेय के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने राज्य के महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री,सी.एम.डी. रोडवेज,एम.डी. रोडवेज,को अलग-अलग पत्र लिखकर भेंट कर ज्ञापन देकर अवगत कराया है कि रोडवेज बस सेवा महरुम सेंधली, रणधीरगढ, सांथा, महवा ग्रामीण अंचल आम जन को बस सेवा संचालन की पुरजोर गुज़ारिश की है। प्रतिनिधिमंडल में सतीश पांडेय के अलावा शिक्षाविद राधेश्याम शर्मा, सुरेश चंद्र शर्मा, रामजीलाल शर्मा, चन्द्र शेखर शर्मा,चिरमोली सैनी,पं.रामेश्वर शर्मा, हरिओम लाटा, रमाकांत लाटा,सरलेश चौधरी, मंजू उदय सिंह, रविन्द्र सिंह, प्रदीप शर्मा व अनेक विभिन्न संगठनों से जुड़े कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद द्वारा संचालित नम्रता कौशल विकास केंद्र

राखी प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ, वनवासी बहनों के हुनर की हुई सराहना

स्मार्ट हलचल

उदयपुर, । राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद कार्यालय में आयोजित नम्रता कौशल विकास केंद्र द्वारा 'राखी प्रदर्शनी' का शुभारंभ मंगलवार को गरिमामय वातावरण में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, निवृत्ति कुमारी मेवाड़ और विजयलक्ष्मी (कैट), सीमा जी (लघु उद्योग भारती) ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और जनजाति बहिनों के कौशल की सराहना की। कार्यक्रम का परिचय डॉ. राधिका लढा ने देते हुए कमली ट्राइब्स एवं राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद द्वारा वनवासी क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास एवं आजीविका संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। अपने उद्बोधन में संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने जनजाति अंचल की महिलाओं के कला कौशल की सराहना की और कहां कि इन्हें प्रोत्साहन देकर व आत्मनिर्भर बनाकर ही

हम वास्तव में समाज कल्याण की अवधारणा को मूर्त रूप दे सकते हैं। अपने उद्बोधन में निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने कहा कि राजपरिवार और वनवासी समाज का संबंध सदैव आत्मीय रहा है। उन्होंने बताया कि उनका वनवासी समाज से विशेष जुड़ाव रहा है तथा वनवासी बहनों द्वारा तैयार किए जा रहे हस्तनिर्मित उत्पाद अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास न केवल महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं, बल्कि उनकी कला और परंपरा को भी नई पहचान दे रहे हैं। उन्होंने इस अभियान को हरसंभव सहयोग एवं प्रोत्साहन देने का आश्वासन भी दिया। कैट की प्रतिनिधि विजयलक्ष्मी ने कहा कि कमली ट्राइबस का कार्य प्रेरणादायी है। उन्होंने भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर भी इन उत्पादों को मंच उपलब्ध कराने तथा विपणन के नए अवसर उपलब्ध कराने का विश्वास दिलाया। लघु उद्योग भारती की सीमा जी सहित अन्य अतिथियों ने भी वनवासी बहनों के कार्यों की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए भविष्य में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। प्रदर्शनी के दौरान निवृति कुमारी ने सभी बहनों से आत्मीयता से संवाद किया, उनके साथ व्यक्तिगत रूप से फोटो खिंचवाए तथा प्रत्येक स्टॉल का अवलोकन किया। उनका अत्यंत सरल, सादगीपूर्ण एवं विनम्र व्यवहार सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं बहनों के लिए प्रेरणादायी रहा। उन्होंने प्रदर्शनी में प्रदर्शित राखियों एवं अन्य उत्पादों की विशेष सराहना करते हुए बताया कि वे पिछले पाँच वर्षों से कमली ट्रस्ट द्वारा निर्मित राखियाँ ही उपयोग करती आ रही हैं। कार्यक्रम में राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के पदाधिकारी प्रदेश संगठन मंत्री जगदीश कुलमी हररतन डामोर सह संगठन मंत्री, वीरेन्द्र प्रकाश पंचोली महामंत्री,रमेशचंद्र मुदडा कोषाध्यक्ष, गोपल लाल कुमावत संरक्षक, कार्यकर्ता, दिनेश बम कोषाध्यक्ष वनांचल शिक्षा समिति,घेवरचंद समिति व्यवस्था प्रमुख, बप्पारावल जाग्रति संस्थान के अध्यक्ष भंवरलाल शर्मा,राजेंद्र प्रकाश शर्मा कोषाध्यक्ष, कमली ट्रस्ट से जुड़ी बहनें एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित यह नम्रता कौशल विकास केंद्र की राखी प्रदर्शनी 2 अगस्त तक राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद कार्यालय में आमजन के लिए खुली रहेगी। प्रदर्शनी में वनवासी बहनों द्वारा निर्मित आकर्षक हस्तनिर्मित एवं डिज़ाइनर राखियों के साथ कमली ट्रस्ट के विभिन्न उत्पाद भी उपलब्ध हैं। इस अवसर पर सभी नागरिकों से प्रदर्शनी में पधारकर स्वदेशी एवं हस्तनिर्मित उत्पादों की खरीद के माध्यम से वनवासी बहनों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया गया। साथ ही 'एक राखी सैनिक के नाम' अभियान के अंतर्गत देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों को राखी भेजने के इस अभियान में भी अधिक से अधिक लोगों से सहभागी बनने की अपील की गई।

नीट धांधली पर भड़का विद्यार्थी मोर्चा, राष्ट्रपति के नाम सौंपा 11 सूत्रीय ज्ञापन

AIIMS की निगरानी में परीक्षा कराने, पेपर लीक रोकने और शिक्षा सुधारों की उठाई मांग

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा (महेन्द्र नागौरी) भारतीय विद्यार्थी मोर्चा और भारत मुक्ति मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति के नाम 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने नीट परीक्षा में कथित धांधली की निष्पक्ष जांच, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और व्यापक शिक्षा सुधारों की मांग उठाई। मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल सिंघानिया ने कहा कि नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आई अनियमितताओं ने लाखों विद्यार्थियों के भविष्य पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने मांग की कि नीट परीक्षा का संचालन AIIMS की निगरानी में कराया जाए, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) की उच्चस्तरीय जांच हो, पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक सुधार लागू किए जाएं। ज्ञापन में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने, रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती, समान शिक्षा व्यवस्था, छात्राओं की सुरक्षा और अन्य मांगें भी शामिल की गईं। इस दौरान राधेश्याम एरवाल, रामेश्वर दसलानिया, सुरेश प्रजापत, रमेश कीर, एडवोकेट भैरूलाल बैरवा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सैफई में तीन दिन से युवती लापता: महिला उपनिरीक्षक सुमन पाल कर रही है घोर लापरवाही, कोई जांच नही

तीन दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, परिजनों ने लगाए लापरवाही के आरोप, एसएसपी से लगाई गुहार

स्मार्ट हलचल

सैफई (इटावा)। सैफई थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती के लापता होने का मामला लगातार गंभीर होता जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि गांव का ही एक युवक युवती को अपने साथ ले गया। थाने में शिकायत की लेकिन महिला उपनिरीक्षक सुमन पाल जांच के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डाले हुए है। आरोपी का नाम व पूरी जानकारी सुमन पाल को दी गयी लेकिन पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। और युवती की हत्या का इंतजार कर रही है। परिजनों के अनुसार युवती एक कॉलेज में फीस जमा करने गई थी, जिसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। परिजनों का कहना है कि घटना के तुरंत बाद थाना सैफई में लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई थी। उनका आरोप है

कि घटना को तीन दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस अभी तक युवती का पता लगाने में सफल नहीं हो सकी है। परिवार का दावा है कि उन्होंने पुलिस को आरोपी युवक का मोबाइल नंबर, संभावित ठिकानों की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण सबूत भी उपलब्ध करा दिए हैं। इसके बावजूद कार्रवाई की रफ्तार से परिवार संतुष्ट नहीं है। माता-पिता और भाई लगातार थाने के चक्कर काट रहे हैं और युवती की सुरक्षित बरामदगी की गुहार लगा रहे हैं। परिजनों का कहना है कि हर बीतते दिन के साथ उनकी चिंता बढ़ती जा रही है। उनका आरोप है कि यदि शुरुआती दौर में प्रभावी कार्रवाई की जाती, तो संभव है कि युवती का जल्द पता लगाया जा सकता था। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेकर विशेष टीम गठित करने और युवती की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित करने की मांग की है। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि महिलाओं और युवतियों से जुड़े मामलों में पुलिस को संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति की आशंका को समय रहते टाला जा सके। लेकिन सुमन पाल ने अभी तक कोई जांच नही की।

परिजनों का आरोप उपनिरीक्षक सुमन पाल कर रही है लापरवाही, नही कर रही सुनवाई

युवती के परिजनों ने आरोप लगाया कि गुमशुदगी की जांच थाना सैफई की महिला उपनिरीक्षक सुमन पाल को सौंपी गई है लेकिन तीन दिन बीत जाने के बाबजूद सुमन पाल ने कोई कार्यवाही नही की। उपनिरीक्षक सुमन पाल पर पहले भी कई मामलों में लापरवाही के आरोप लगा चुके हैं इनकी जांच एसपी ग्रामीण व सीओ सैफई द्वारा की जा रही है।

उमस के बीच मेवाड़ में झमाझम: रातभर बरसे बादल, फलासिया में ढाई इंच बारिश, कई इलाकों में तापमान अब भी सामान्य से ऊपर

स्मार्ट हलचल

उदयपुर। सावन के दूसरे दिन मेवाड़ में मानसून ने दस्तक तो दमदार दी, लेकिन उमस से लोगों को पूरी राहत नहीं मिल सकी। शुक्रवार देर रात उदयपुर शहर में तेज बारिश का दौर शुरू हुआ, जो रुक-रुककर देर रात तक चलता रहा। बारिश से शहर की सड़कों पर पानी बह निकला और मौसम खुशनुमा हो गया, लेकिन दिनभर बनी नमी और गर्मी के कारण उमस का असर बरकरार रहा। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक दक्षिणी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां तेज रहने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे में उदयपुर जिले के फलासिया में सर्वाधिक 61 मिमी (करीब ढाई इंच) बारिश दर्ज की गई। वहीं बांसवाड़ा जिले के कुशलगढ़ में 69 मिमी, झालावाड़ के डग में 52 मिमी, बांसवाड़ा शहर में 50 मिमी और प्रतापगढ़ के सुहागपुरा में 48 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। अच्छी बारिश से किसानों के चेहरों पर खुशी लौट आई है और खरीफ फसलों के लिए इसे राहतभरी बारिश माना जा रहा है।

जल सर्वोपरि, यमुना जल समझौते पर देवनानी ने दी शुभकामनाएं

मजबूत लोकतंत्र, सुशासन और जनभागीदारी से राजस्थान विकास के नए युग की ओर अग्रसर : देवनानी

जन आकांक्षाओं के समाधान का प्लेटफार्म है विधान सभा

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि मजबूत संसदीय लोकतंत्र, सुशासन और जनभागीदारी ही किसी प्रदेश के स्थायी विकास की आधारशिला होते हैं। राजस्थान आज अपनी ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक संसाधनों, युवा शक्ति और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती के आधार पर विकास के नए युग की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि विधान सभा जन आकांक्षाओं के समाधान का प्लेटफार्म है। सदन में सार्थक बहस हो। गति?रोध नहीं होना चाहिए। मीडिया को भी सकारात?मक भूमिका निभानी चाहिए। देवनानी जयपुर स्थित होटल मैरियट में आयोजित एनडीटीवी इमर्जिंग राजस्थान ञ ‘जल से समृद्धि’ राष्टीय कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कॉन्क्लेव में संसदीय लोकतंत्र और राजस्थान का विकास विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। देवनानी ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले संस्थाओं का सम्मान किया। वासुदेव देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र चुनाव की प्रक्रिया न होकर जनता की आकांक्षाओं को नीति और विकास में परिवर्तित करने की सतत व्यवस्था है। विधानसभा जनता की आवाज का सर्वोच्च मंच है। यहां संवाद, चर्चा और विमर्श के माध्यम से प्रदेश के भविष्य की दिशा तय होती है। राजस्थान ने सदियों से विषम परिस्थितियों में भी विकास और जीवन की राह बनाई है। जल संकट को चुनौती के रूप में नहीं बल्कि अवसर के रूप में देखते हुए प्रदेश ने जल संरक्षण, जल प्रबंधन और आधुनिक जल परियोजनाओं के माध्यम से नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं।

लोकभवन में विशेष दीक्षांत समारोह आयोजित

नशामुक्त और टीबी मुक्त किए जाने के साथ ही शिक्षा क्षेत्र में राजस्थान को अग्रणी बनाएं:राज्यपाल

राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागडे ने असाधारण योगदान के लिए प्रदान की उपाधियां

विजया राहटकर और श्री अच्युत सामंत को विद्यावाचस्पति की मानद उपाधियां प्रदान की गई

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को लोकभवन में महिला अधिकारों और महिला सुरक्षा के लिए तीन दशक से अधिक के महत्वपूर्ण योगदान के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विदुषी और चिंतक श्रीमती विजया राहटकर और नब्बे हजार से अधिक आदिवासी बच्चों की शिक्षा और समाज सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए प्रख्यात शिक्षाविद, पूर्व सांसद श्री अच्युत सामंत को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर की विद्या वाचस्पति उपाधि से सम्मानित किया। बागडे ने इस अवसर पर श्रीमती विजया राहटकर के नैतिकता से जुड़े सार्वजनिक जीवन और महिला सरोकारों के लिए किए कार्यों को मिसाल बताया। उन्होंने कहा कि तहसील, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर

महिलाओं के लिए निरंतर कार्य करने के साथ उनमें नेतृत्व के नैसर्गिक गुण हैं। उन्होंने शिक्षाविद, समाजसेवी श्री अच्युत सामंत द्वारा आदिवासी क्षेत्र में किए कार्यों को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि साधारण परिवार से आने के बावजूद आदिवासी लोगों की उन्नति के लिए कार्य बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय की सम्मान से जुड़ी पहल की सराहना की। राज्यपाल ने कहा कि उनके कार्यकाल के शुक्रवार को दो वर्ष ही पूर्ण हुए हैं। इन दो वर्षों में राजस्थान से बहुत प्यार मिला। इस वर्ष उनकी तीन प्राथमिकताएं है। यह प्राथमिकताएं हैं, राजस्थान को नशामुक्त, टीबी मुक्त किए जाने के साथ ही शिक्षा में राजस्थान को अग्रणी किया जाए। उन्होंने री नीट की परीक्षा में पूरे देश में राजस्थान के शानदार प्रदर्शन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा परीक्षा में राजस्थान का सफलता प्रतिशत राष्टीय औसत से काफी ऊपर, लगभग 69 प्रतिशत रहा है। यह प्रदेश की बहुत बड़ी उपलब्धि है। राज्यपाल ने महाराजा गंगासिंह जी द्वारा गंग नहर की स्थापना को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस नहर का अगले वर्ष शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। यह अवसर नहर पूजन का ही नहीं है बल्कि सिंचाई से हुई समृद्धि के बहाने जल संरक्षण की परंपराओं को अपनाने का है। उन्होंने राजस्थान में यमुना जल योजना के अलावा गुजरात से नर्मदा जल को गांव ढाणी तक पेयजल पहुंचाने के लिये मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा किए प्रयासों की सराहना की।

राजस्थान हाईकोर्ट

राजस्थान हाईकोर्ट ने 25 बेंच का किया गठन, तीन दिन जयपुर में रहेंगे सभी 39 जज

जयपुर (नि.सं.)। एक अनोखी प्रशासनिक व्यवस्था के तहत राजस्थान हाईकोर्ट के सभी 39 जज शुक्रवार को जोधपुर स्थित मुख्य पीठ और जयपुर बेंच से जुड़े मामलों की सुनवाई जयपुर से करेंगे। दिन की कार्यवाही के लिए हाईकोर्ट ने चार बड़ी बेंच, छह डिवीजन बेंच और पंद्रह सिंगल बेंच का गठन किया है। जोधपुर मुख्य पीठ से जुड़े मामलों की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के जरिए होगी। यह खास इंतजाम इसलिए किया गया है क्योंकि सभी जज शांति, मध्यस्थता और कानून के शासन पर शुक्रवार शाम से शुरू होने वाली एक इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए अगले तीन दिनों तक जयपुर में रहेंगे। राजस्थान स्टेट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी की ओर से आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में कॉमनवेल्थ देशों के जज, सीनियर वकील, मध्यस्थ, विद्वान और पॉलिसी बनाने वाले कई जाने-माने लोग शामिल होंगे। रोस्टर के तहत एक बड़ी बेंच, तीन डिवीजन बेंच और चार सिंगल बेंच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए जोधपुर मुख्य पीठ से जुड़े मामलों की सुनवाई करेंगी। जयपुर बेंच में दायर मामलों के लिए तीन बड़ी बेंच, तीन डिवीजन बेंच और 11 सिंगल बेंच बनाई गई हैं। इस व्यवस्था से यह सुनिश्चित होने की उम्मीद है कि सभी जजों के जयपुर में होने के बावजूद न्यायिक कामकाज बिना किसी रुकावट के चलता रहे। बड़ी बेंच कई महत्वपूर्ण कानूनी मुद्दों पर सुनवाई करेंगी, जिनमें क्या वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांगों से जुड़े मामलों की सुनवाई को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, आचार्य धर्मेंद्र और अन्य द्वारा 1989 से लंबित याचिकाएं, जो राजस्थान हाईकोर्ट के जयपुर बेंच परिसर में मनु की मूर्ति लगाने से संबंधित हैं ।

न्यूज ब्रीफ

16वीं राजस्थान विधान सभा का मानसून (छठा) सत्र 20 अगस्त से, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने जारी की अधिसूचना

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान के राज्यपाल ने सोलहवीं राजस्थान विधान सभा का छठा अधिवेशन आहूत करने की स्वीकृति दे दी है। इस संबंध में राजस्थान विधान सभा सचिवालय द्वारा गुरुवार, 30 जुलाई 2026 को आधिकारिक अधिसूचना और राजस्थान राजपत्र विशेषांक जारी कर दिया गया है। विधान सभा सचिवालय के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 के खण्ड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह अधिवेशन बुलाया है। अधिवेशन का शुभारंभ गुरुवार, 20 अगस्त 2026 को प्रातः 11ञ00 बजे ज्योतिनगर स्थित राजस्थान विधान सभा भवन में होगा। इस आगामी सत्र में राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण विधायी कार्य, संशोधन विधेयक एवं जनहित से जुड़े मुद्दों को सदन के पटल पर रखे जाने की संभावना है।

मोतियाबिंद-ऑपरेशन के बाद 2 मरीजों की आंखों में आया सुधार

3 मरीजों की स्थिति अभी स्थिर; कुचामन सिटी से 5 मरीजों को किया था रेफर

जयपुर(नि.सं.)। कुचामन सिटी के सरकारी हॉस्पिटल में कई मरीजों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन करने के बाद आंख में फैले इंफेक्शन के मामले में राहत की खबर है। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में भर्ती 5 में से 2 मरीजों की स्थिति में शुक्रवार को सुधार आया है, जबकि तीन अन्य मरीजों की स्थिति अभी स्थिर है। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया- सभी मरीजों की आंखों का गुरुवार को प्रोसीजर करके उनमें से इंफेक्शन निकाला गया था। इसके बाद दो मरीजों की आंखों का विजन सुधरा है। मरीज घासीराम (65) और नारायणी देवी (67) के आंखों की जांच के बाद दोनों के विजन में सुधार देखने को मिला है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 3,000 से ज्यादा छात्राओं को साइकिलें बांटीं

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को विद्या वाहिनी योजना शुरू की और अलग-अलग सरकारी स्कूलों की 9वीं कक्षा की 3,000 से ज्यादा छात्राओं को साइकिलें बांटीं। पूर्वी विनोद नगर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्या वाहिनी योजना के तहत, दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली लगभग 1.40 लाख छात्राओं को चरणबद्ध तरीके से मुफ्त साइकिलें दी जाएंगी।

मुख्य सचिव ने ड्रग माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने के दिए निर्देश

सभी पुलिस थानों में एक साथ विशेष अभियान चला कर जब्त ड्रग्स को करें नष्ट:मुख्य सचिव

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में नार्को समन्वय केंद्र तंत्र (एनसीओआरडी) की राज्य स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में राज्य में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को सख्त एवं समन्वित कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

सभी थानों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश

मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राज्य के सभी पुलिस थानों में मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ड्रग्स की जब्ती और तस्करों के विरुद्ध अभियान को और अधिक तेज किया जाए। साथ ही, जब्त ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों को प्रदेश के सभी पुलिस थानों मे एक दिन एक साथ विशेष अभियान चला कर नष्ट किया जाए।

मजबूत चार्जशीट और प्रभावी पैरवी से सुनिश्चित हो दोषियों को सजा

आदतन अपराधियों के विरुद्ध तथ्यों एवं साक्ष्यों पर आधारित मजबूत चार्जशीट तैयार की जाए, जिससे न्यायालय में प्रभावी पैरवी हो सके और दोषियों को शीघ्र एवं कठोर सजा दिलाई जा सके।

‘डिटेक्ट-डिसरप्ट-डेस्ट्रॉय’ नीति के तहत हो कार्रवाई

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को केन्द्र सरकार की ‘डिटेक्ट-डिसरप्ट-डेस्ट्रॉय’ नीति के आधार पर ड्रग माफिया के पूरे नेटवर्क को समाप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ने के लिए योजनाबद्ध एवं समन्वित कार्रवाई की जाए।

हर जिले में ड्रग से जुड़े 10 प्रमुख केस और 5 कुख्यात ड्रग माफियाओं की होगी सूची तैयार

उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक जिले के पुलिस अधीक्षक ड्रग्स से जुड़े 10 प्रमुख मामलों की सूची तैयार करें तथा उनमें से 5 कुख्यात ड्रग माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विशेष अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में वर्ष 2026-29 के लिए मादक पदार्थों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई।

अफ्रीकी प्रवासी

स्पेन में घुसने पहुंचे 49 हजार प्रवासी, 18 की मौत:मोरक्को से समुद्र में तैरकर आए थे

बॉर्डर पर सेना ने रोका तो भगदड़ मची

सिउटा। स्पेन में जबरन घुसने की कोशिश के दौरान 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक, घटना तब हुई, जब गुरुवार सुबह 3 हजार प्रवासी एकसाथ स्पेन में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। सीमा पर पुलिस की घेराबंदी और सुरक्षा बाड़ के बीच संकरे रास्तों के कारण लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। भीड़ में दबने, दम घुटने और समुद्र में डूबने के कारण यह हादसा हुआ। इस दौरान स्पेन और मोरक्को के 100 से ज्यादा सैनिक भी घायल हो गए। स्पेनिश सरकार की तरफ से जानकारी मिली है कि मोरक्को की तरफ से करीब 49 हजार लोगों के तैरकर या पैदल चलकर स्पेनिश शहर स्यूटा में प्रवेश कर चुके है।

मोरक्को से एक साथ हजारों प्रवासी स्पेन में क्यों घुसे

अफ्रीकी और एशियाई देशों के प्रवासी बेहतर जीवन की तलाश में यूरोपीय देशों में घुसना चाहते हैं। सिउटा मोरक्को के उत्तरी तट पर स्थित एक स्पेनिश शहर है। यहां घुसने के बाद प्रवासियों को यूरोपीय संघ के क्षेत्र में एंट्री मिल जाती है। स्यूटा भले ही भौगोलिक तौर पर अफ्रीका में है, लेकिन यह स्पेन और यूरोपीय संघ (EU) का हिस्सा है। यानी अगर कोई प्रवासी स्यूटा में घुस जाता है, तो वह यूरोप की सीमा तक पहुंच जाता है।

ईरान पर हमले रोकने का बिल एक वोट से गिरा

अब राष्ट्रपति को मिलिट्री एक्शन का अधिकार; ट्रम्प के एक सांसद ने वोटिंग नहीं की

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने का प्रस्ताव अमेरिकी सीनेट में एक वोट से गिर गया है। गुरुवार को हुई वोटिंग में इसके पक्ष में 49 और विरोध में 50 वोट पड़े। ट्रम्प की पार्टी के एक सांसद डेव मैककॉर्मिक वोटिंग में शामिल नहीं हुए। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान पर हमलों से पहले संसद की मंजूरी लेना जरूरी हो जाता। यानी राष्टपति खुद यह फैसला नहीं ले सकते थे। ईरान जंग को लेकर विपक्षी सांसद मांग कर रहे हैं कि ऐसे किसी भी सैन्य अभियान पर अंतिम फैसला संसद ही ले। ताजा घटनाक्रम के बाद इसे सीनेट में लाने के लिए दोबारा कोशिश करनी होगी।

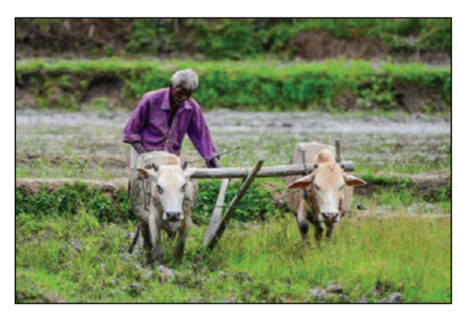

कैबिनेट ने पीएम-किसान योजना को वित्त वर्ष 2027 से 2031 तक जारी रखने को दी मंजूरी

किसानों पर खर्च होंगे 3.15 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना को वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी है। इस अवधि के लिए सरकार ने 3.15 लाख करोड़ रुपए के वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति दी है। सरकार का कहना है कि यह फैसला किसानों की आय बढ़ाने, कृषि निवेश को मजबूत करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एक आधिकारिक बयान में सरकार ने बताया कि इस योजना ने तकनीक-आधारित किसान कल्याण का एक सफल मॉडल स्थापित किया है।

जयपुर के अपार्टमेंट में चल रहा था फर्जी कॉल सेंटर:संचालक समेत 11 युवक-युवतियां गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस ने एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है। सीएसटी (ष्टस्ञ्ज) टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए 11 युवक-युवतियों को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 कंप्यूटर, 2 लैपटॉप और 9 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जवाहर नगर थाना क्षेत्र की सिंधी कॉलोनी स्थित रॉयल अपार्टमेंट में यह फर्जी कॉल सेंटर चल रहा था। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया- जांच में सामने आया है कि इस कॉल सेंटर के जरिए राजस्थान सहित अन्य राज्यों के लोगों को ई-मित्र आईडी उपलब्ध कराने और ई-मित्र पर मिलने वाली विभिन्न सेवाओं के माध्यम से रोजगार दिलाने का झांसा दिया जाता था। आरोपियों ने नौकरी और मोटी कमाई का लालच देकर लोगों से बड़ी रकम वसूली।

40 से 70 हजार रुपए तक वसूले

डीसीपी क्राइम संजीव नैन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने अलग-अलग लोगों से 40 हजार से लेकर 70 हजार रुपए तक वसूले, लेकिन न तो उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया और न ही वादा की गई सेवाएं दीं। इस तरह लोगों को सुनियोजित तरीके से ठगी का शिकार बनाया गया।

दो से तीन साल से चल रहा था फर्जी कॉल सेंटर

पुलिस की शुरुआती जांच में यह भी पता चला है कि यह फर्जी कॉल सेंटर पिछले दो से तीन वर्षों से संचालित किया जा रहा था।

पटवार भर्ती परीक्षा-2021 | **डमी अभ्यर्थी से परीक्षा दिलाकर बनी पटवारी**

5 लाख रुपए देकर पटवार भर्ती-2021 एग्जाम में बैठाया, 18 महीने से फरार आरोपी महिला गिरफ्तार

चुंकी बाई(41)

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB) पटवार भर्ती परीक्षा-2021 में डमी अभ्यर्थी को बैठाकर सरकारी नौकरी हासिल वाली आरोपी महिला को एसओजी ने गिरफ्तार किया। आरोपी चुंकी बाई(41) 18 महीने से फरार चल रही थी। आरोपी महिला पर एसओजी ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

जांच में सामने आया कि आरोपी महिला ने अपनी जगह दूसरे अभ्यर्थी से परीक्षा दिलाने के लिए करीब 5 लाख रुपए दिए थे। परीक्षा में चयन के बाद उसकी नियुक्ति पटवार हल्का ईंदू, कुम्हेर (भरतपुर) में हो गई थी।

इस मामले में डमी अभ्यर्थी नेमी बाई उर्फ सम्मी उर्फ सुमिता (34) निवासी काबुली, थाना धोरीमन्ना, जिला बाड़मेर (वर्तमान निवास सांचौर क्षेत्र), तत्कालीन पद- निलंबित तृतीय श्रेणी अध्यापिका को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

डमी अभ्यर्थी बैठाकर बनी थी पटवारी

एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि आरोपी अभ्यर्थी चुंकी बाई ने प्रवेश पत्र पर अपनी और डमी अभ्यर्थी की मॉर्फ्ड फोटो लगाकर फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए 23 अक्टूबर 2021 को जयपुर स्थित परीक्षा केंद्र पर परीक्षा दिलवाई। परीक्षा में चयन के बाद उसकी नियुक्ति पटवार हल्का ईंदू, कुम्हेर (भरतपुर) में हो गई थी।

गोपनीय शिकायत के बाद खुला मामला

एसओजी कार्यालय को मिली गोपनीय शिकायत के आधार पर जांच कर प्रकरण संख्या 62/2024 दर्ज किया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता(BNS) के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी, फर्जी डॉक्यूमेंट तैयार करने, आपराधिक षड्यंत्र सहित राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग) अधिनियम, 1992 की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

डमी अभ्यर्थी को दिए थे 5 लाख रुपए

जांच में सामने आया कि चुंकी बाई ने अपनी जगह परीक्षा देने के एवज में डमी अभ्यर्थी को 5 लाख रुपए नकद दिए थे। इस पूरे षड्यंत्र में प्रवेश पत्र पर फोटो बदलने और फर्जी हस्ताक्षरों का यूज कर परीक्षा दिलाई गई थी।

'राजस्थान गौरव सम्मान समारोह' संस्कृति युवा संस्था की ओर से 'राजस्थान गौरव सम्मान समारोह' आयोजित

राजस्थानी राजस्थान की अपनी भाषा, राजस्थानी भाषा नहीं संस्कृति है:बागड़े

जयपुर(नि.सं.)। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि राजस्थानी भाषा नहीं संस्कृति है। उन्होंने राजस्थानी भाषा में अपना संबोधन प्रारम्भ किया और कन्हैयालाल सेठिया की धरती धोरा री और महाकवि सूर्यमल्ल मिश्रण की इला न देणी आपणी, हालरिया हुलराय। पूत सिखावै पालणै, मरण बड़ाई माय॥ पंक्तियां सुनाई और इनका अर्थ भी बताया। राज्यपाल ने कहा कि राजस्थानी बहुत मीठी भाषा है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के शिक्षा सचिव उनसे मिलने आए थे। उन्होंने एक पत्र दिया था और कहा था कि राजस्थान के बहुत से लोग महाराष्ट्र में रहते है, यहां भी मराठी भाषा के केंद्र खुलेंगे तो दोनों प्रदेशों में और निकटता आएगी। इस सम्बन्ध में ही प्रदेश में मराठी भाषा के केंद्र खोलने के लिए कहा गया। पर, मराठी भाषा अनिवार्य नहीं है ऐच्छिक है। उन्होंने कहा कि राजस्थानी तो राजस्थान की अपनी भाषा हैं। राजस्थानी केंद्र खोलने का कहा गया तो हमने तुरंत सभी विश्वविद्यालयों में राजस्थानी केंद्र खोलने के लिए भी आदेश जारी किया। उन्होंने चुटकी भी ली और कहा अच्छी बात है, मराठी केंद्र खोलने के बाद यहां के लोगों का राजस्थानी केंद्र खोलने के लिए ध्यान गया। उन्होंने कहा कि इस पर तो बहुत पहले ही शुरुआत हो जानी चाहिए थी। राज्यपाल श्री बागडे एक निजी होटल में राजस्थान गौरव सम्मान समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत विश्वगुरु तभी बनेगा जब हमारी संस्कृति और नैतिक मूल्य बचे रहेंगे। उन्होंने कहा कि पेपर लीक के प्रकरण इसीलिए होते हैं कि नैतिकता से व्यक्ति विमुख होने लगे। उन्होंने नैतिक मूल्य और संस्कृति बचाए रखने में सभी की भागीदारी का आह्वान किया। राज्यपाल ने महाराणा प्रताप के दरबार के लेखक चक्रपाणि मिश्र ने विश्ववल्लभ ग्रन्थ की भी चर्चा की और कहा कि कृषि और जल संरक्षण की यह बहुत महत्वपूर्ण पुस्तक है।

एक अगस्त से प्रदेशभर में खरीफ 2083 डिजिटल क्रॉप सर्वे की शुरुआत

एआइ एवं अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों से होगा गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी फसल सर्वेक्षण

जयपुर(नि.सं.)। राजस्थान सरकार कृषि क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक अगस्त 2026 से प्रदेशभर में खरीफ 2083 (2026-27) डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रारम्भ करने जा रही है।

यह सर्वे राज्य के 41 जिलों की 424 ऑनलाइन तहसीलों एवं 50,456 ऑनलाइन राजस्व ग्रामों में किया जाएगा। निबन्धक, राजस्व मण्डल श्री महावीर प्रसाद की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के तहत एग्रीस्टेक-डिजिटल क्रॉप सर्वे के अंतर्गत फसल खरीफ सम्वत् 2083 की गिरदावरी के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण के साथ ही महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। वीसी में राज्य के समस्त जिलों के प्रभारी अधिकारी (भू.अभिलेख), समस्त तहसीलदार (भू.अ.), तकनीकी अधिकारी डीसीएस, कृषि आयुक्तालय के अधिकारी, सभी जिलों के रिसोर्स पर्सन, मास्टर्स ट्रेनर्स आदि उपस्थित रहे। निबंधक ने डिजिटल क्रॉप सर्वे में हर स्तर से अधिकाधिक किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

उन्होंने उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदारगण से कहा कि वे ऑनलाइन गिरदावरी कार्य की समय समय पर मॉनिटरिंग करें। साथ ही फिल्ड विजिट कर स्वयं किसानों से रूबरू होकर उन्हें ऑनलाइन गिरदावरी के लाभों से अवगत कराते हुए जागरूकता लायें। उन्होंने इसका व्यापक प्रचार प्रसार भी करने के निर्देश दिये।

न्यूज इन बॉक्स

डीआईपीआर के कार्मिक रामप्रकाश वर्मा के रिटायरमेंट पर कार्यक्रम आयोजित

जयपुर(नि.सं.)। सूचना एवं जनम्पर्क विभाग के सहायक कर्मचारी रामप्रकाश वर्मा के शुक्रवार को रिटायर होने पर विभाग की कर्मचारी यूनियन की ओर से विदाई कार्यक्रम हुआ जिसमें अधिकारी, कर्मचारी और रामप्रकाश वर्मा के परिजन व मित्र शामिल हुए। आयुक्त राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि पद बड़ा या छोटा नहीं होता, उस पद की गरिमा को बरकरार रखते हुए पूर्ण समर्पण व ईमानदारी से कार्य कर आम जन को राहत प्रदान करना बड़ी बात होती है। अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) गोरधन लाल शर्मा ने बताया कि रिटायरमेंट जीवन का महत्वपूर्ण प्रस्थान बिन्दु है। अब तक जो कुछ सीखा है, उसे समाज और देश के काम लेने का समय है, जो पाया है, उसका कुछ हिस्सा समाज को लौटाने का बिन्दु है। अतिरिक्त निदेशक(सूजस) नर्बदा इन्दौरिया ने रामप्रकाश वर्मा की सेवाओं को उल्लेखनीय बताते हुए उनके सुखद भविष्य और अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना की। कर्मचारी यूनियन के संरक्षक रवि वर्मा और कार्यवाहक अध्यक्षगण अनिल सोनी व महेन्द्र ने रामप्रकाश वर्मा का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया और उनके द्वारा विभाग और यूनियन के लिए किए कार्य, समर्पण व योगदान की प्रशंसा की।

मुख्य सचिव ने राजस्थान संपर्क 181 कॉल सैंटर का किया दौरा

नागरिकों का विश्वास और संतुष्टि ही परिवाद निवारण व्यवस्था की सबसे बड़ी कसौटी : मुख्य सचिव

जयपुर(नि.सं.)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार नागरिक सुविधाओं से जुड़े परिवादों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि परिवाद दर्ज होने से लेकर उसके समाधान तक की पूरी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिससे प्रत्येक नागरिक को यह अनुभव हो कि शासन उसकी समस्या के प्रति संवेदनशील है और उसे समय पर राहत मिल रही है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवाद के समाधान को नागरिकों के विश्वास से जोड़ते हुए परिवाद निवारण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, उत्तरदायी एवं जन-केंद्रित बनाया जाए। मुख्य सचिव ने शुक्रवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क (181) कॉल सेंटर पहुंचकर सार्वजनिक निर्माण विभाग, स्वायत्त शासन विभाग, पंचायती राज विभाग, नगरीय विकास एवं आवासन, ग्रामीण विकास एवं ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नागरिक सुविधाओं से जुड़े परिवादों की समीक्षा की। उन्होंने विभागवार परिवादों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग, त्वरित निस्तारण एवं दैनिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने नागरिक सुविधाओं से संबंधित कुल 46 हजार 214 परिवादों की विभागवार स्थिति का भी अवलोकन किया। इनमें ऊर्जा विभाग के 25 हजार 488, स्वायत्त शासन विभाग के 16 हजार 689, सार्वजनिक निर्माण विभाग के 1 हजार 798, नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के 1 हजार 373, पंचायती राज विभाग के 591 तथा ग्रामीण विकास विभाग के 275 परिवाद शामिल हैं।

जिला जन अभाव अभियोग एवं सतर्कता समिति की बैठक आयोजित

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश

जयपुर(नि.सं.)। आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला जन अभाव अभियोग एवं सतर्कता समिति की जिला स्तरीय बैठक गुरुवार को ब्यावर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित अभाव-अभियोगों, शिकायतों एवं सतर्कता समिति में दर्ज प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान समिति के समक्ष प्रस्तुत 17 प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें अतिक्रमण हटाने, अवरुद्ध रास्तों को पुनः चालू कराने, राजकीय एवं आबादी भूमि से अतिक्रमण हटवाने, सड़क मार्गों से अतिक्रमण हटाने, पट्टा जारी कराने, पेयजल पाइपलाइन का विस्तार कराने सहित अन्य जनहित से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। कई प्रकरणों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष मामलों में संबंधित विभागों को वस्तुस्थिति की जांच कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करते हुए अनुपालना रिपोर्ट समिति के समक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

संसदीय कार्य मंत्री ने चाली में 54.50 लाख रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

प्रदेश सरकार हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्धः पटेल

जयपुर(नि.सं.)।जोधपुर जिले की ग्राम पंचायत चाली- सेवाला में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय चाली में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक मंत्री श्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में 54.50 लाख रुपये की लागत के 8 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया।

रीडिंग प्रमोशन कैम्पेन का शुभारंभः श्री पटेल ने कहा यशस्वी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश भर में 'मिशन पढ़ो राजस्थान' के अंतर्गत रीडिंग प्रमोशन कैम्पेन का शुभारंभ किया गया है।

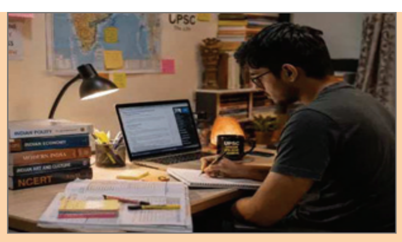

REET-RAS की तैयारी कराएगा AI, टेस्ट भी लेगा

स्टूडेंट को बताएगा किस सब्जेक्ट में है कमजोर, देगा पूरा स्टडी प्लान

जोधपुर (वि.सं.)। अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टूडेंट्स को REET, RAS और UPSC की तैयारी करवाएगा। AI एग्जाम भी लेगा, स्टूडेंट के नंबर भी बताएगा। इसके साथ ही ये भी बताएगा कि आप किस सब्जेक्ट में कमजोर हो। क्लास रूम की तरह डाउट भी क्लियर करेगा। करंट अफेयर्स के प्रैक्टिस सवाल भी देगा। 20 से 25 साल पुराने पेपर भी होंगे। यही नहीं, स्टूडेंट का पूरा डेटा भी AI के पास होगा। इस डेटा में स्टूडेंट की पूरी रिपोर्ट, उसने कब-कब और कितने एग्जाम दिए, इसकी पूरी जानकारी होगी। दरअसल, जोधपुर के शुभेंद्र गौतम ने द अभ्यास नाम से AI का ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जो केवल इन 3 एग्जाम पर आधारित है। RAS और UPSC की तैयारी अभी इस प्लेटफॉर्म के जरिए हो रही है।

नई किरण नशा मुक्ति परामर्श केन्द्र

नई किरण नशा मुक्ति परामर्श केन्द्र के प्रभावी संचालन एवं क्षमता निर्माण हेतु कार्यशाला का आयोजन

जयपुर(नि.सं.)। महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस एंड सोशल साइंसेज, जयपुर द्वारा नई किरण नशा मुक्ति परामर्श केन्द्र की प्रभावी संचालन क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन हुआ। सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2025-26 की अनुपालन में राज्य के 135 राजकीय महाविद्यालयों में स्थापित किए जा रहे नई किरण नशा मुक्ति परामर्श केन्द्रों के प्रभारी अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा के राज्य समन्वयक (युवा कौशल विकास प्रकोष्ठ) तथा शिक्षित रोजगार केन्द्र प्रबंधक समिति के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। संस्थान के विशेषाधिकारी डॉ. हरबीर सिंह डागुर ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालयों में संचालित नई किरण नशा मुक्ति परामर्श केन्द्रों को अधिक प्रभावी, परिणामोन्मुख एवं व्यवहारिक बनाना था, ताकि युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति की रोकथाम के लिए संस्थागत क्षमता का विकास किया जा सके। कार्यशाला को संबोधित करते हुए संस्थान के विशेषाधिकारी डॉ. हरबीर सिंह डागुर ने प्रधानमंत्री द्वारा 02 अगस्त, 2026 से प्रारंभ किए जा रहे नशा मुक्त युवा - विकसित भारत संकल्प अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि महाविद्यालयों में नशा विरोधी जागरूकता अभियान, व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशालाओं, छात्र संवाद, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों तथा नशा मुक्ति क्लबों के गठन के माध्यम से शिक्षण संस्थानों को सामाजिक परिवर्तन के सशक्त केन्द्र के रूप में विकसित किया जा सकता है।

सांसद ने शिक्षा मंत्री से रखी केंद्रीय विद्यालयों की मांग

बोलीं- जिन क्षेत्रों में स्कूल नहीं, वहां जल्द हों स्थापित

राजसमंद (वि.सं.)। राजसमंद लोकसभा सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने नई दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी से मुलाकात कर लोकसभा क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय और सर्वोदय विद्यालय खोलने की मांग की। उन्होंने विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में इन संस्थानों की कमी का मुद्दा उठाते हुए चरणबद्ध तरीके से उनकी स्थापना का प्रस्ताव सौंपा।

सभी विधानसभा क्षेत्रों में केंद्रीय विद्यालय की मांग

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से आग्रह किया कि राजसमंद लोकसभा क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चरणबद्ध तरीके से केंद्रीय विद्यालय स्थापित किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपने क्षेत्र में ही मिल सके।

बाल कल्याण समिति

जयपुर की नूडल्स फैक्ट्री में काम करते मिले पांच बच्चेः पुलिस ने रेस्क्यू कर बाल कल्याण समिति को सौंपे

फैक्ट्री संचालक मनीष अग्रवाल फरार

जयपुर। जयपुर वेस्ट पुलिस की मानव तस्करी यूनिट (AHTU) और दौलतपुरा थाना पुलिस ने बाल श्रम के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक फैक्ट्री से 5 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। मामले में फैक्ट्री संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। गुप्त सूचना पर फैक्ट्री में दी दबिश

डीसीपी वेस्ट प्रशांत किरण ने बताया कि बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी और मानव तस्करी के उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सभी थाना प्रभारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में दौलतपुरा थाना पुलिस और मानव तस्करी यूनिट की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना पर हरे कृष्णा होटल के पीछे स्थित KJUND Enterprises पर छापा मारा।

नूडल्स की पैकिंग कराते मिले बच्चे

दौलतपुरा थाना प्रभारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि छापेमारी के दौरान फैक्ट्री में 5 बाल श्रमिक नूडल्स की पैकिंग करते हुए मिले। मौके से बच्चों द्वारा पैक किए गए 'Nature Noodles' ब्रांड के पांच पैकेट भी जब्त किए गए, जिन पर कंपनी का नाम और वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर का पता अंकित था।

हरियालों राजस्थान-हरियालों जयपुर — जेडीए के हरित जयपुर अभियान को मिल रहा आमजन का भरपूर सहयोग

अब तक 6 हजार 638 पौधे किए वितरित

85 हजार छायादार एवं फलदार पौधों के वितरण अभियान को मिली शानदार शुरुआत

जयपुर(नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के हरियालो राजस्थान अभियान को सफल बनाने की दिशा में नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री श्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा प्रारम्भ किए गए रियायती दर पर पौधा वितरण अभियान को आमजन का उत्साहजनक सहयोग मिल रहा है। अभियान के शुभारम्भ से अब तक जेडीए द्वारा 6638 छायादार एवं फलदार पौधों का वितरण किया जा चुका है, जो शहरवासियों में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जयपुर के निर्माण के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रमाण है। जयपुर विकास आयुक्त श्री सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि जेडीए द्वारा इस वर्ष आमजन के लिए 85 हजार पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जिनमें 10 फीट ऊंचाई के 28,800 तथा 5 फीट ऊंचाई के 56,000 पौधे शामिल हैं। अभियान के तहत नागरिकों को रियायती दरों पर पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे अधिकाधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने बताया कि नागरिकों की सुविधा एवं प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जेडीए द्वारा "Pay for Plant" पोर्टल प्रारम्भ किया गया है। नागरिक मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी सत्यापन कर अधिकतम 2 बड़े पौधे (लगभग 10 फीट, 80 रुपये प्रति पौधा) तथा 3 छोटे पौधे (लगभग 5 फीट, 50 रुपये प्रति पौधा) का चयन कर ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं। भुगतान रसीद के आधार पर निर्धारित वितरण केन्द्र पर ओटीपी सत्यापन के पश्चात पौधे प्राप्त किए जा रहे हैं। जेडीए द्वारा पौधों का वितरण प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक शहर के 12 निर्धारित वितरण केन्द्रों–जवाहर सर्किल, निलय कुंज पार्क, रामनिवास बाग, नेहरू बालोद्यान, सेंट्रल पार्क, शिवाजी नगर पार्क (श्याम नगर थाने के पीछे), त्रिवेणी नगर सामुदायिक केन्द्र, वुडलैण्ड पार्क, वैशाली नर्सरी पार्क, करधनी पार्क , मरुधर नगर पार्क (चित्रकूट, अजमेर रोड) एवं स्मृति वन (सीकर रोड, विद्याधर नगर)–पर किया जा रहा है।

वेटलिफ्टिंग में 8वां पदक

लवप्रीत 1KG से गोल्ड से चूके, सीमा ने डिस्कस थ्रो में दिलाया कांस्य

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को वेटलिफ्टिंग में गुरुवार (30 जुलाई) को 8वां पदक मिला। लवप्रीत सिंह ने 110+ किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक दिलाया। सीमा कालीरमन ने महिलाओं की डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीता।

भारत ने अबतक 17 पदक अपने नाम किए हैं। वह 3 स्वर्ण, 10 रजत और 4 कांस्य के साथ पदक तालिका में 10वें नंबर पर है। ग्लासगो में भारत ने वेटलिफ्टिंग में अबतक एक गोल्ड,छह सिल्वर और एक ब्रॉन्ज जीता है। लवप्रीत ने अपने करियर का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 176 किलोग्राम स्नैच के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स का रिकॉर्ड तोड़ा और कुल 388 किलोग्राम (176केजी+212केजी) उठाकर गोल्ड मेडल जीता। भारतीय एथलीट न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयू लिटी से सिर्फ एक किलोग्राम पीछे रहे, जिन्होंने कुल 389 किलोग्राम उठाकर गोल्ड मेडल जीता। स्नैच के बाद 10 किलोग्राम की बढ़त बनाने के बाद पंजाब के वेटलिफ्टर का पलड़ा भारी दिख रहा था।

लवप्रीत लिफ्ट पूरी नहीं कर पाए

लिटी ने क्लीन एंड जर्क में शानदार वापसी की और अंतिम प्रायस में 223 किलोग्राम का वजन उठाकर गेम्स का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

लवप्रीत को शीर्ष पर पहुंचने के लिए 217 किलोग्राम वजन उठाने की जरूरत थी। उन्होंने कोशिश की, लेकिन लिफ्ट पूरी नहीं कर पाए। बता दें कि बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में लवप्रीत के ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

रोहित टोकस को चुभ गई थी

स्कूल में सहपाठी से मिली हार, इंजरी भी नहीं तोड़ सकी हौसला

कॉमनवेल्थ में लगाया ब्रॉन्ज मेडल पर 'पंच'

नई दिल्ली। भारतीय बॉक्सर रोहित टोकस अब किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में ब्रॉन्ज मेडल पर 'पंच' लगाते हुए उन्होंने विश्व स्तर पर अपनी काबिलियत को साबित किया। हालांकि, रोहित ने बॉक्सिंग की रिंग में उतरने का फैसला स्कूल में सहपाठी के खिलाफ मिली हार के बाद किया। रोहित टोकस का जन्म 1 अगस्त, 1993 को दिल्ली के मुनीरका में हुआ। रोहित बचपन में अपने भाइयों संग लड़ते-झगड़ते रहते थे। रोहित के घर के पास ही एक बॉक्सिंग अकादमी थी, जहां बिना कोई पैसा लिए ट्रेनिंग दी जाती थी। रोहित के

पिता ने सभी भाइयों को इस अकादमी में ट्रेनिंग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और उनकी यह पहल रंग भी लाई। रोहित ने अपने भाइयों के साथ अकादमी जाना शुरू कर दिया। हालांकि, एक से दो साल ट्रेनिंग करने के बाद उन्होंने बॉक्सिंग छोड़ तैराकी शुरू कर दी। रोहित का स्कूल बदला, तो कक्षा में उनकी मुलाकात एक सहपाठी से हुई, जो बॉक्सिंग की प्रैक्टिस किया करता था। रोहित ने अपने सहपाठी को 'शैडो बॉक्सिंग' करते देखा चैलेंज कर दिया। हालांकि, रोहित को इस मुकाबले में करारी हार मिली और यह हार उनको अंदर तक चुभ गई। रोहित अगले कुछ दिन स्कूल नहीं गए और उन्होंने दोबारा से बॉक्सिंग कोचिंग शुरू कर दी। रोहित ने सहपाठी बॉक्सर को बॉक्सिंग रिंग में हराने की ठानी। रोहित दिन-रात प्रैक्टिस करने में जुट गए और उन्होंने दिल्ली राज्य चैंपियनशिप में हिस्सा लिया। दो महीने जबरदस्त ट्रेनिंग करने के बाद रोहित अपने स्कूल के उसी सहपाठी को रिंग में हराकर चैंपियन बने।

साल 2010 में भारत में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान रोहित ने बॉक्सिंग में अपने करियर बनाने का फैसला किया। 2011 में रोहित ने नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जिसके बाद उन्हें नेशनल शिविर में जगह मिल गई।

कॉमनवेल्थ गेम्स

चार साल के बेटे की मां और पीएचडी स्कॉलर सीमा कालीरमन ने दिलाया ब्रॉन्ज मेडल

नई दिल्ली। बड़ी पुरानी कहावत है, 'जहां चाह वहां राह'। यह लाइनें कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में महिला डिस्कस थ्रो में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाने वाली एथलीट सीमा कालीरमन पर फिट बैठती हैं। चार साल के बेटे की जिम्मेदारी, पीएचडी की पढ़ाई के साथ खेल के प्रति ऐसा जुनून उन्हें बाकी एथलीटों से अलग बनाता है। सीमा का सबसे बड़ा सहारा पति रविंदर भी बने, जिनकी कोचिंग में वह देश का नाम रोशन करने में कामयाब हो सकीं। हालांकि, सीमा का ब्रॉन्ज मेडल जीतने तक का सफर चुनौतियों से भरा रहा। चोट, प्रेग्नेंसी और तमाम तरह की चुनौतियों के बावजूद सीमा ने कभी अपना हौसला कम

नहीं होने दिया। जब-जब जिंदगी ने खेल को उनसे दूर करने की कोशिश की तो सीमा ने हर बार शानदार वापसी की। डिस्कस थ्रो के फाइनल में 27 साल की इस एथलीट के छह राउंड में से केवल दो ही थ्रो सही (वैलिड) हो पाए, क्योंकि बार-बार डिस्कस साइड नेटिंग में फंस जा रहा था। यह पोडियम सीमा के लिए पहला बड़ा इंटरनेशनल मेडल रहा। सीमा एक पीएचडी स्कॉलर भी हैं और चार साल के बेटे रुद्र की मां हैं।

असल में, मां बनने के साथ-साथ सीमा एक टॉप एथलीट के तौर पर भी आगे बढ़ीं। 2022 में बेटे रुद्र के जन्म से पहले उनका पर्सनल बेस्ट 48.08 मीटर था। 2024 में 11 महीने के ब्रेक के बाद उन्होंने प्रतिस्पर्धी डिस्कस थ्रो में वापसी की और अपने पर्सनल बेस्ट को बेहतर करते हुए 57.19 मीटर तक पहुंचाया।

भारत 10वें पर खिसका, ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर

- नाइजीरिया 5वें पर, पदक तालिका में 10वें नंबर पर खिसका

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत के 17 पदक हो गए हैं, लेकिन वह पदक तालिका में 10वें नंबर पर खिसक गया है। भारत ने अबतक 3 स्वर्ण, 10 रजत और 4 कांस्य पदक जीते हैं। ग्लासगो में आजोजित खेलों में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा बरकरार है। वह 51 स्वर्ण, 24 रजत और 35 कांस्य पदक के साथ शीर्ष पर हैं। इंग्लैंड 65 पदकों के साथ दूसरे नंबर पर है। उसने 15 स्वर्ण, 30 रजत और 20 कांस्य पदक जीता है। कनाडा 45 पदकों के साथ तीसरे नंबर पर है। स्कॉटलैंड ने 25 पदक जीते हैं। उन्होंने 9 स्वर्ण, 7 रजत और 9 कांस्य पदक जीते हैं। नाइजीरिया ने 16 पदक जीते हैं। 8 स्वर्ण, 5 रजत और 3 कांस्य पदक जीते हैं। दक्षिण अफ्रीका के 23 पदक हैं। उन्होंने 6 स्वर्ण, 9 रजत और 8 कांस्य पदक जीता है। मलेशिया 12 पदकों के साथ 7वें नंबर पर है। उसने 6 स्वर्ण, 3 रजत और 3 कांस्य पदक जीते हैं।

भारत नीचे क्यों

न्यूजीलैंड 21 पदकों के साथ 8वें नंबर पर है। 5 स्वर्ण, 9 रजत और 7 कांस्य पदक के साथ 8वें नंबर पर है। जमैका 8 पदकों के साथ 9वें नंबर पर है। 4 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक हैं। पदक तालिका में स्थान स्वर्ण जीतने से तय होता है। यही कारण है के भारत 17 पदकों के बाद भी 8वें पर खिसक गया।

क्रिकेट विश्व कप 2027

साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया होंगे मेजबान

12 शहरों में होंगे 54 मैच

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ऐलान किया है कि 2027 में होने वाले पुरुष वनडे वर्ल्ड कप 12 शहरों में खेले जाएंगे। यह वर्ल्ड कप 24 साल में पहली बार दक्षिणी अफ्रीकी देशों में होगा। दक्षिण अफ्रीका के आठ शहर, जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया की राजधानी विंडहोक में कुल 54 मैच खेले जाएंगे। तीनों देश टूर्नामेंट के सह-मेजबान हैं। इससे पहले 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या में वर्ल्ड कप का आयोजन हुआ था।

साउथ अफ्रीका में जोहान्सबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, गकेबरहा, कुगोम्पो सिटी, केपटाउन, पार्ल और ब्लोमफोंटेन में 2027 वर्ल्ड कप के दौरान 54 मैचों में से ज्यादातर मैच होंगे। फाइनल वांडरर्स या न्यूलैंड्स में होगा। जिम्बाब्वे में हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स के बीच सात से 10 मैच खेले जाएंगे और नामीबिया में विंडहोक भी कम से कम तीन मैचों की मेजबानी करेगा। बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम को वार्म-अप वेन्यू के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा और नामीबिया के साथ वर्ल्ड कप क्वालिफायर को-होस्ट करने की संभावना है। टूर्नामेंट के 4 अक्टूबर से 21 नवंबर 2027 तक आयोजित होने की संभावना है।

- **साउथ अफ्रीका के मैदान-** वांडरर्स स्टेडियम (जोहान्सबर्ग), सेंचुरियन (त्शवाने), न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड (केपटाउन), किंग्समीड क्रिकेट ग्राउंड (डरबन), सेंट जॉर्ज पार्क (गकेबरहा), मंगांग ओवल (ब्लोमफोंटेन), बोलैंड पार्क (पार्ल) और बफेलो पार्क (कुगोम्पो सिटी, जिसे पहले ईस्ट लंदन के नाम से जाना जाता था)।
- **जिम्बाब्वे के मैदान-** हरारे स्पोर्ट्स क्लब (हरारे), क्वींस स्पोर्ट्स क्लब (बुलावायो), फाले मोसी-ओआ-तुन्या इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (विक्टोरिया फॉल्स)।
- **नामीबिया-** नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड (विंडहोक)।
- **2003 वर्ल्ड कप के बाद साउथ अफ्रीका ने इन आईसीसी टूर्नामेंट्स की मेजबानी की-** 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने 8वें मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप की मेजबानी की थी। इसके बाद से साउथ अफ्रीका ने कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट होस्ट किए हैं। इनमें पहला मेन्स टी20 वर्ल्ड कप (2007), विमेंस अ20 वर्ल्ड कप (2023), अंडर-19 मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप (2020 और 2024) और अंडर-19 विमेंस टी20 वर्ल्ड कप (2023) शामिल हैं।

भारत-ब्राजील के बीच होगा फुटबॉल मैच

AIFF का बड़ा ऐलान; 3 अक्टूबर को कोलकाता में होगा मैच

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का हाल ही में समापन हुआ है। भारत में भी फुटबॉल का जुनून चरम पर था। पूरे टूर्नामेंट में भारतीय फुटबॉल फैंस ने भारतीय टीम के ना होने पर दुख भी जताया था। अब भारतीय फुटबॉल फैंस के पास अपने देश की टीम को चीयर करने का मौका होगा। भारत और ब्राजील के बीच कोलकाता में एक बेहतरीन मुकाबला होने जा रहा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने गुरुवार को भारत और ब्राजील के बीच होने वाले ऐतिहासिक मुकाबले का ऐलान किया है।

ब्राजील और भारत के बीच फ्रेंडली मैच होगा

ऑस्ट्रेलिया में ब्राजील की टीम पहला मुकाबला 25 सितंबर को Townsville और 29 सितंबर को ब्रिसबेन में खेलेगी। इसके बाद ब्राजील की टीम भारत के दौरे पर आएगी और इस विंडो का तीसरा मुकाबला खेलेगी। भारत और ब्राजील के बीच यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में 3 अक्टूबर 2026 को खेला जाएगा। यह दोनों देशों की टीमों के बीच एक फ्रेंडली मैच होगा।

AIFF के डिप्टी सेक्रेटरी जनरल ने इस मैच को लेकर कहा, 'ब्राजील जैसी टीम का अपने देश में स्वागत करना एक शानदार पल होगा। साथ ही यह पल भारतीय फुटबॉल के इतिहास का एक अनमोल क्षण होगा।' जबकि ब्राजील फुटबॉल महासंघ की तरफ से इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा गया, 'यह एक स्पेशल मैच होगा उस देश के साथ जहां ब्राजील की टीम का सबसे बड़ा फैनबेस है। यहां के फैंस ने सालों से ब्राजील के फुटबॉल इतिहास को पैशन के साथ फॉलो किया है। '

हर्षा भोगले ने दलीप ट्रॉफी के लिए चुनी गई टीम पर उठाए सवाल

'वैभव सूर्यवंशी को क्यों बनाया उपकप्तान'

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी को 23 अगस्त 2026 से शुरू होने वाले रेड बॉल टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी के लिए ईस्ट जोन की टीम का उपकप्तान बनाया गया। कई क्रिकेट दिग्गजों का यह मानना है कि 15 साल के क्रिकेटर के लिए यह बड़ा प्रोत्साहन है। वहीं दिग्गज क्रिकेट कमेंटेटर और क्रिकेट एक्सपर्ट हर्षा भोगले ने उन्हें उपकप्तान बनाने पर सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि वैभव की यह रेड बॉल क्रिकेट में अभी शुरुआत ही है और उनका रिकॉर्ड भी कुछ खास नहीं है।

वैभव सूर्यवंशी ने अभी घरेलू क्रिकेट में सिर्फ 12 फर्स्ट क्लास पारी ही खेली हैं। उनका औसत सिर्फ 17.25 का है। उनके नाम 207 रन ही दर्ज हैं, इस रिकॉर्ड का हवाला देते हुए हर्षा ने उन्हें सीनियर रेड बॉल टीम का उपकप्तान बनाने के फैसले पर हैरानी जताई है। इस टीम का कप्तान इशान किशन को बनाया गया है। वहीं मोहम्मद शमी, अभिमन्यू ईश्वरन, शाहबाज अहमद, सुदीप घरामी, मुकेश कुमार जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी इस टीम में शामिल हैं।

हर्षा भोगले ने एक्स पर पोस्ट करते हुए जताई हैरानी

हर्षा भोगले ने एक्स पर गुरुवार को पोस्ट किया और वैभव सूर्यवंशी को यह जिम्मेदारी देने पर हैरानी जताई। उन्होंने लिखा, 'मुझे हैरानी है कि क्या सोचकर सूर्यवंशी को सीनियर रेड बॉल टीम का उपकप्तान बनाया गया। उन्होंने सिर्फ 12 पारी खेलीं और 207 रन ही बनाए। उनका औसत महज 17.25 का ही है। उनका टैलेंट शानदार है लेकिन अभी यह शुरुआती पल हैं और वह रेड बॉल क्रिकेट में अभी भी निचले पायदान पर ही हैं। '

ईस्ट जोन की चयन समिति के सदस्य प्रवनजन मुल्लिक ने इस पर सफाई देते हुए कहा, 'वैभव को टीम का कप्तान नहीं बनाया गया है, इशान किशन कप्तान हैं और बतौर विकेटकीपर वह पूरे मैच को देख सकते हैं, ऐसा नहीं है कि वैभव सूर्यवंशी पूरे दिन कप्तानी करेंगे। जैसे-जैसे वह ग्रो कर रहे हैं और मैच्योर होते जा रहे हैं। उनको अधिक जिम्मेदारी देने से वह और अधिक मैच्योर हो सकते हैं। '

उन्होंने आगे कहा, 'दलीप ट्रॉफी में उपकप्तान बनना उनके लिए एक बेहतरीन मौका है। वह देश के लिए अच्छा करना चाहते हैं और हमारा विश्वास है युवाओं को जिम्मेदारियां देना जरूरी होता है। किसे पता आगे का? फिंगर क्रॉस, क्या पता आगे वह भारतीय टीम के कप्तान बन जाएंगे। यही कारण है उन्हें उपकप्तान बनाने का। वह लगातार देश के लिए , आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए अच्छा कर रहे हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वह बिहार के भी उपकप्तान हैं। '

विदेश में पहले अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में गोल्ड मेडल जीतने वाले तिनगोंग वांगपन की कहानी

पापा पढ़ाई कराना चाहते थे, मां ने जिंदा रखे सपने

नई दिल्ली। मां चोरी-छिपे 1000 रुपये के जूते खरीदकर देती थीं, दोस्त कहते थे कि इतनी मेहनत का कोई फायदा नहीं होगा, पिता चाहते थे कि पढ़ाई पर ध्यान दूं। जन्म से सेरेब्रल पाल्सी जैसी शारीरिक चुनौती झेलने वाले अरुणाचल प्रदेश के 21 वर्षीय पैरा धावक तिनगोंग वांगपन ने इन तमाम मुश्किलों को अपनी मंजिल के रास्ते की बाधा नहीं बनने दिया।

सड़क पर अकेले दौड़कर शुरुआत करने वाले तिनगोंग आज भारत के उन उभरते पैरा एथलीटों में शामिल हैं, जिन्होंने मेक्सिको में आयोजित वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री 2026 की पुरुष 200 मीटर टी37 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया।

विदेश में उनका यह पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट था। अरुणाचल प्रदेश से भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (NCOE), गांधीनगर पहुंचने वाले पहले पैरा एथलीट तिनगोंग ने जनसत्ता से विशेष बातचीत में अपने संघर्ष, परिवार के त्याग, ट्रेनिंग, अंतरराष्ट्रीय सफलता और पैरालंपिक तक पहुंचने के सपने पर खुलकर बात की।

अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा

सबसे पहले मैं मुझे यह अवसर देने के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। बचपन में मैं थोड़ी-बहुत खेलकूद की गतिविधियां करता था, लेकिन मुझे इसमें बहुत ज्यादा दिलचस्पी नहीं थी। मेरी शारीरिक विकलांगता के बावजूद मेरी मां हमेशा मेरा सपोर्ट करती थीं। वह मुझे सुबह-सुबह वॉक पर ले जाती थीं और मुझे एक्टिव रखती थीं। जब मैं 12वीं क्लास में था, तब मुझे एक भैया से पता चला कि पैरा स्पोर्ट्स (Para Sports) भी होते हैं। उसके बाद मैंने अकेले ही सुबह-शाम दौड़ना शुरू कर दिया। मैं रास्ते पर ही दौड़ता रहता था। मुझे ट्रेनिंग को मैनेज करना नहीं आता था। बाद में अरुणाचल पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन से सेठी सर ने मेरी मदद की। मैंने 7वीं 'इंडियन ओपन नेशनल चैंपियनशिप' में हिस्सा लिया। वहां खेलने के बाद डॉ. गगन सेठी सर ने मुझे चुना और मुझे साई (SAI) गांधीनगर ले आए। अभी मैं नितिन सर की कोचिंग और मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहा हूं। बता दें कि डॉ. गगन सेठी अभी गांधी नगर स्थित स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) में हाई परफॉर्मेंस एनालिस्ट (फिजियोथेरेपी और क्लासिफायर व TIDC सदस्य पैरा एथलेटिक्स) हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com